28 जून 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

साजिश के तहत काटा जा रहा है मतदाताओं का वोटर लिस्ट से नाम: तेजस्वी 4

भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा की शुरुआत: ओडिशा के पुरी में जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत हुई। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ व उनके भाई-बहन के रथों को मंदिर से श्री गुंडिचा मंदिर तक के लिए खींचना शुरू किया हालांकि रथयात्रा को बीच में ही विश्राम दे दिया गया। अब रथयात्रा शनिवार को एक बार फिर से गुंडिचा मंदिर के लिए शुरू होगी। वहीं नंदीघोष रथ के पास भगदड़ जैसी हालात पैदा हो जाने से 10 से अधिक लोग घायल हो गए। बता दें कि वार्षिक महोत्सव में भाग लेने के लिए दुनियाभर से लाखों की संख्या में लोग तीर्थ नगरी पहुंचे हैं। यहां पर हर तरफ हरि बोल व जय जगन्नाथ के उद्घोष वातावरण में गुंजायमान हो रहे थे। महोत्सव के पहले दिन सबसे पहले भगवान बालभद्र, फिर देवी सुभद्रा और सबसे बाद में भगवान जगन्नाथ अपने-अपने रथों पर सवार हुए। मंदिर के सिंह द्वार से शुरू हुई रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने बड़ी ही आस्था से श्री गुंडिचा मंदिर तक के लिए भगवान के रथों को खींचा। इससे पहले दोपहर 3 बजे पुरी के गजपति महाराजा दिव्य सिंह देव ने सोने की झाड़ू से छेरा पहंरा कर रथयात्रा की विधिवत शुरूआत की। यह यात्रा श्रीमंदिर से 3 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर तक जाती है, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है। इस अवसर पर अहमदाबाद सहित देश के कई शहरों में भी रथयात्राएं निकाली गईं। पुरी में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच लगभग 1500 भाजपा युवा मोर्चा स्वयंसेवकों ने सार्वजनिक सेवा के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करते हुए एंबुलेंस के लिए रास्ता सुनिश्चित करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

खबरें फटाफट

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन की हालत नाजुक

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की हालत नाजुक बनी हुई है। वे दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सकों के अनुसार, ब्रेन स्ट्रोक के कारण उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। फिलहाल उन्हें आईसीयू में रखा गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, आईसीयू में केवल सीमित लोगों को ही उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी अस्पताल में मौजूद हैं। शिबू सोरेन की हालत जानने के लिए झारखंड से कई मंत्री और कांग्रेस नेताओं ने भी दिल्ली पहुंचकर हालचाल लिया है, लेकिन सुरक्षा एवं चिकित्सकीय दिशा-निर्देशों के चलते सभी को मुलाकात की अनुमति नहीं दी जा रही। शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ की कामना को लेकर झारखंड में लोगों की ओर से दुआओं का दौर जारी है। राज्य के विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों और गिरजाघरों में उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए विशेष प्रार्थनाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत कई नेता और कार्यकर्ता शीघ्र उनके स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

छात्रा के साथ हुई रेप की घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा पर उठे सवाल

कोलकाता में लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ दरिंदगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों में से एक लॉ कॉलेज का ही पूर्ववर्ती छात्र है
- भाजपा ने टीएमसी और सीएम ममता बनर्जी पर साधा निशाना

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में छात्रा के साथ दरिंदगी की घटना ने दिल दहला दिया था। इस घटना को लेकर डॉक्टरों ने खूब विरोध प्रदर्शन किया था। इस घटना को अभी एक साल भी पूरे नहीं हुए हैं कि एक बार फिर कोलकाता के एक शिक्षण संस्थान में छात्रा से दरिंदगी की घटना सामने आई है। शहर के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना हुई है। इस मामले में कस्बा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में उसी संस्थान का एक पूर्व छात्र और दो कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके साथ 25 जून की रात साढ़े सात बजे से 22:50 बजे तक दरिंदगी की। वह रहम की भीख मांगती रही, लेकिन हैवान उसका शरीर नोचते रहे। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी। 26 जून को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, वारदात को अंजाम देने वाले तीसरे आरोपी को पुलिस ने 26 और 27 जून की दरमियान रात साढ़े 12 बजे अरेस्ट किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके मोबाइल जब्त कर लिये हैं। तीनों को कोर्ट ले जाने की तैयारी हो रही है, जहां पर आरोपियों की पुलिस कस्टडी की मांग की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के परिजन को भी थाने बुलाया है और वारदात संबंधी पूछताछ की है। कॉलेज सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों में से एक पूर्व छात्र है। उसने 2022 में अपना डिग्री कोर्स पूरा किया था। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसे कॉलेज के एक कमरे में बुला उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोपियों में से एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बाकी ने मुख्य आरोपी की मदद की।

ममता बनर्जी महिलाओं की सुरक्षा करने में असफल: अठावले

छात्रा से दुष्कर्म की घटना के सामने आने के बाद सियासी घमासान शुरू हो गया है। भाजपा नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इस मामले को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर सीधा हमला बोला है। शुभेंदु अधिकारी ने मामले में ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'तृणमूल मतलब चोर, तृणमूल मतलब दुष्कर्मी। आरोपियों में से एक की तस्वीर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ है। अगर मैंने वह तस्वीर एक्स पर पोस्ट नहीं की होती, तो कोई दिखा भी नहीं सकता। भाजपा के इस बयान से टीएमसी बैकफुट पर आ गई है, लेकिन पार्टी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। कोलकाता लॉ कॉलेज कथित गैंगरेप मामले पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, 'लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ जो अत्याचार हुआ है यह दर्दनाक घटना है। यह बहुत गंभीर घटना है। इससे पहले भी कोलकाता के एक अस्पताल में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म हुआ था। ममता बनर्जी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। ममता बनर्जी खुद एक महिला हैं, वह महिलाओं की सुरक्षा करने में असफल हैं। मुझे लगता है कि ममता बनर्जी की सरकार इस मामले में बहुत गंभीर नहीं है।

आरोपी के टीएमसी से जुड़ाव की बात अफवाह: बिमान

इस घटना पर विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा, 'यह घटना अत्यंत निंदनीय है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन जो लोग टीएमसी से जुड़ाव की बात कर रहे हैं, वे केवल अफवाह फैला रहे हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। वहीं टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने विवादित बयान देते हुए कहा, 'अगर दोस्त ने दोस्त के साथ ऐसा किया, तो पुलिस क्या हर स्कूल-कॉलेज में तैनात रहेगी? यह एक सरकारी कॉलेज है। यह एक छात्र की तरफ से दूसरे छात्र के साथ किया गया अपराध है। पीड़िता की सुरक्षा कौन करेगा?'
इस मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कोलकाता लॉ कॉलेज कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले पर कहा, 'मैं बंगाल के लोगों और खासकर मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि भाजपा से सावधान रहें। कोई भी घटना होगी, अगर आप निष्पक्ष भी कार्रवाई करना चाहेंगी तो उससे भाजपा के लोग राजनीतिक लाभ लेना चहेंगे। आए दिन उत्तर प्रदेश से दुष्कर्म की खबरें सामने आती हैं... महिलाओं की छोड़खानी के मामलो में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है क्योंकि यहां की सरकार कानून-व्यवस्था को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर ध्यान दे रही है।

नरकटियागंज के हरबोड़ा नदी में नहा रहे चार बच्चों की डूबने से मौत

पश्चिम चंपारण जिले में घटी हृदयविदारक घटना

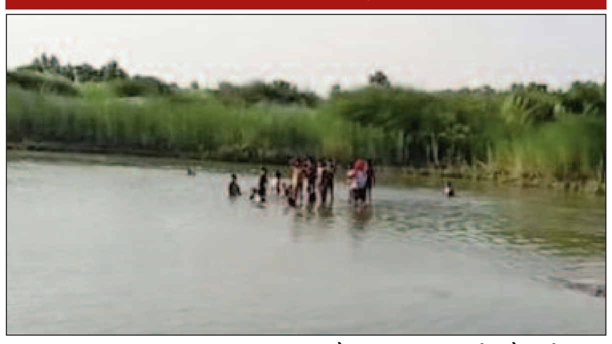

केटी न्यूज/पटना

पश्चिम चंपारण जिले के नरकटियागंज नगर क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर एक मर्मांतक हादसा हो गया, जब हरबोड़ा नदी में नहाने गए चार मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना गोपाला ब्रह्म स्थान के पास घटी, जिससे पूरे इलाके में शोक और मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए चार बच्चे दोपहर के समय नदी में नहाने पहुंचे थे। खेलते-कूदते हुए वे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि डूबने वाले चारों बच्चों की पहचान हो गई है। इनमें दिलशाद और इरशाद, पिता मुस्तफा आलम दोनों सगे भाई थे और नरकटियागंज में मौसी के घर आए हुए थे। वहीं रिजवान, पिता फिरोज आलम और आरिफ अंसारी, पिता अनवर अंसारी जमुनिया गांव के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी सुधांशु शेखर, स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक दल मौके पर पहुंचा। एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद चारों बच्चों के शव नदी से बाहर निकाले गए। शवों के बाहर आते ही घटनास्थल पर कोहराम मच गया। माताओं की चीखें, परिजनों की बेहोशी और ग्रामीणों की आंखों से बहते आंसू पूरे गांव की पीड़ा को बयां कर रहे थे। ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल गर्मियों में बच्चे नदी में डूबते हैं, लेकिन अब तक न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, न सुरक्षा की निगरानी, और न जीवन रक्षक उपाय किए गए हैं।

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहर बरपा रहा मानसून

एजेंसी/नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहर बरपा रहा है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जोरदार बारिश हो रही है। इस बीच, हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के खनियारा और कुल्लू के सैंज में पांच जगह बादल फटने के एक दिन बाद राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा। इस दौरान खनियारा में मनूणी खड्ड से दो और शव बरामद किए गए, जबकि लापता चार लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है। उधर, जम्मू-कश्मीर अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग मारे गए और बारिश के साथ मलबा आने से हिमकोटी के रास्ते वैष्णो देवी यात्रा बाधित हो गई है। इस बीच, मौसम विभाग ने गुजरात, केरल महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

खनियारा में मनूणी खड्ड से दो और शव बरामद किए गए, जबकि लापता चार लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं, सैंज में फंसे 500 सैलानियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है जबकि कुल्लू के ही बकरथाच और हामटा-छतडू ट्रैक से 81 ट्रैकर को बचाया गया है। गुजरात के 10 जिलों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात...गुजरात के नर्मदा, सूरत व तापी समेत कम से कम 10 जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नर्मदा में बृहस्पतिवार सुबह तक 5.98 इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं, सूरत और तापी में 5.83 इंच बारिश के कारण कई इलाकों बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए। वडोदरा, नवसारी, महिसागर जिलों में भी कई जगहों पर चार से पांच इंच तक बारिश दर्ज की गई। उधर, अहमदाबाद में भी स्थिति अभी विकराल बनी हुई है।

ढाका में दुर्गा मंदिर ढहाने को लेकर भारत ने जताई कड़ी नाराजगी

एजेंसी/नई दिल्ली

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बने एक अस्थायी दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। भारत ने साफ कहा है कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को मंदिर को सुरक्षा देनी चाहिए थी, लेकिन उसने इसे अवैध कब्जा बताकर गिरा दिया। इस घटना में मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खुलीखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया। जयसवाल ने कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा। हम इस बात से बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।

संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग पर राजनीति गर्मायी

आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए: राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की मांग पर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस समेत तमाम दलों के नेताओं ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वहीं अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ और भाजपा पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आरएसएस का

नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आरएसएस-भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनको संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। राहुल गांधी ने आगे चेतावनी देते हुए कहा- आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा। आपातकाल के 50 साल पूरे होने को लेकर भाजपा देशभर में संविधान हत्या दिवस मना रही है। वहीं राष्ट्रीय स्व्यंसेवक संघ (फ़्र) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में किए गए बदलावों को निरस्त करने के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी से माफी मांगने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्द आपातकाल के दौरान ही जोड़े गए थे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि आरएसएस ने संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। आरएसएस की यह मांग बाबा साहब आंबेडकर के न्यायपूर्ण, समावेशी और लोकतांत्रिक भारत के दृष्टिकोण को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है।

रोगी हितधारक मंच के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर बढ़ रही लोगों में जागरुकता: डॉ. शैलेन्द्र

♦ जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी ने की रोगी हितधारक मंच के कार्यों की समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के डुमरांव, इटाढ़ी, चौगाई व केसठ प्रखंड अंतर्गत चयनित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) पर गठित रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) के कार्यों की समीक्षा शुक्रवार को की गई।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीएसपी के कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में डीवीबीडीसीओ को बताया गया कि जिले के डुमरांव प्रखंड अंतर्गत कोरानसराय, लाखनडिहरा, नंदन व धरहरा, इटाढी प्रखंड के हरपुर, महिला व उनवास, चौगाईं के वीरपुर तथा केसठ प्रखंड के कतिकनार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर पीएसपी का संचालन किया जा रहा है। जिसमें पंचायत के विभिन्न संस्थानों व फाइलेरिया मरीजों के माध्यम से समय समय पर लोगों को जागरूक करने के लिए गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इससे न केवल मरीजों बल्कि बच्चों व ग्रामीणों में फाइलेरिया समेत अन्य बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। साथ ही, पीएसपी के माध्यम से फाइलेरिया मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण, किट के इस्तेमाल के साथ साथ दिव्यांगता प्रमाणपत्र भी बनाने का काम किया जा रहा है।

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि जब उन्होंने पीएसपी को एचडब्ल्यूसी पर गठन व संचालन को लेकर पत्र निर्गत किया था, तब उन्होंने यह अंदाजा नहीं लगाया था की ग्रामीण स्तर पर पीएसपी का कार्य इतना शानदार होगा। उन्होंने बैठक में शामिल पीएसपी के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि पीएसपी के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। जिसका प्रमाण आज हमारे सामने है। समाज के लोग अपने स्तर से लोगों को जागरूक कर रहे हैं, जो अपने आप में बड़ी बात है।

पीएसपी सदस्यों ने रखी अपनी अपनी बात : बैठक में एक ओर जहां पीएसपी का नेतृत्व करने वाले सीएचओ ने अपनी बातों का रखा। वहीं, पीएसपी के सदस्यों ने अपने अपने विचार डीवीबीडीसीओ के साथ साझा किया। इस क्रम में कोरानसराय मुखिया कांती देवी के प्रतिनिधि विकास सिंह ने बताया कि पीसएपी गठन के साथ एचडब्ल्यूसी क्षेत्र में पीएसपी के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों के आयोजन से लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मरीजों में इससे पहले इतनी जागरूकता नहीं दिखती थी, लेकिन अब पीएसपी के सदस्य फाइलेरिया मरीजों को विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दे रहे हैं। वहीं, उनके पंचायत की आशा सुजाता देवी ने 15 हाथीपांव के मरीजों का ऑनलाइन आवेदन कराया, जिनमें 13 लोगों का यूडीआईडी कार्ड बन गया है।

मरीजों ने साझा की अपनी स्थिति: वहीं, हरपुर पंचायत से आई हाथीपांव की मरीज गीता देवी ने बताया कि पूर्व में उनके पैरों में सूजन काफी रहता था। लेकिन, एचडब्ल्यूसी पर जब एमएमडीपी किट के साथ उन्हें किट के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। इसके बाद वो रोजाना पैरों की नियमित सफाई करने के साथ व्यायाम भी करती हैं। आज उनके पैरों का सूजन आधा हो गया है। जिससे उन्हें काफी सहूलियत हो रही है। इन सब बातों को सुन डीवीबीडीसीओ ने कहा कि जिस प्रकार पीएसपी के सदस्य मिलकर कार्य कर रहे हैं, वो देख कर लगता है कि आगामी दिनों में निश्चित ही समाज से फाइलेरिया समेत अन्य बीमारियों का उन्मूलन कर सकेंगे। उन्होंने बैठक में शामिल होने के लिए पीएसपी का धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

मौके पर वीडीसीओ, एफएलए, वीबीडीएस (डुमरांव, इटाढी व केसठ), सीएचओ (कोरानसराय, नंदन, धरहरा, कतिकनार, वीरपुर, हरपुर, उनवास व महिला), जीविका सीएम (वीरपुर), आशा कार्यकर्ता (कोरान सराय) व 15 फाइलेरिया मरीज (कोरान सराय, धरहरा व हरपुर) उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

दो पक्षों में मारपीट, तीन लोग जख्मी

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के रामनगर गांव अंतर्गत उजागिर टोला में आपसी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। दोनों के बीच जमकर लाठियां चटकी। इस घटना में दोनों ओर से कुल तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नावानगर में भर्ती कराया गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, मारपीट की शुरूआत किसी पुराने विवाद को लेकर कहासुनी से हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों ने सोनवर्षा थाना में अलग-अलग आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पहले पक्ष के लालबाबू यादव ने गांव के ही रामजी यादव, रविन्द्र यादव समेत अन्य पर मारपीट का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरे पक्ष से अनिल कुमार ने मोतीलाल यादव और मुनेंद्र यादव समेत कुल सत्रह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पूरे घटनाक्रम की तहकीकात की जा रही है। गांव में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है ताकि पुनः कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

मतदान की पूर्व संध्या पर प्रभारी जिलाधिकारी ने प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट्स को किया ब्रिफिंग

बक्सर नप में आज होगा उपचुनाव, तैयारी पूरी, सुरक्षा के किए गए हैं पुख्ता इंतजाम

♦ उपमुख्य पार्षद व वार्ड 20 के पार्षद के रिक्त पदों के लिए हो रहा है उप चुनाव

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद में रिक्त हुए उप मुख्य पार्षद व वार्ड 20 के पार्षद पद के लिए शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उप चुनाव कराया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। वहीं, 30 जून को मतगणना कराई जाएगी।

मतदान को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था संधारित करने के लिए पूर्व संध्या पर प्रभारी डीएम सह डीडीसी आकाश चौधरी ने प्रतिनियुक्त पीसीसीपी, जोनल मजिस्ट्रेट, सुपर जोनल मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बाजार समिति, बक्सर में ब्रीफिंग किया।

उप मुख्य पार्षद के लिए सभी 42 वार्डों के 136 मतदान केन्द्रों पर होगा मतदान: ब्रिफिंग के दौरान प्रभारी जिलाधिकारी ने बताया कि नगर परिषद बक्सर अंतर्गत कुल 42 है, जिनमें उप मुख्य पार्षद पद के लिए होने वाले उपचुनाव को संपन्न कराने के लिए 136 मतदान केन्द्र बनाए गए है। वहीं, वार्ड 20 के रिक्त पड़े पार्षद पद का मतदान वार्ड 20 के अंतर्गत आने वाले मतदान केन्द्रों पर किया जाएगा। कुल मतदाताओं की संख्या 1.15 लाख है। इस उप चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए 48 पीसीसीपी, 42 सेक्टर मजिस्ट्रेट, चार जोनल मजिस्ट्रेट, दो सुपर जोनल मजिस्ट्रेट व एक वरीय मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। चुनाव के लिए एसडीएम अविनाश कुमार को निवार्ची पदाधिकारी बनाया गया है।

सुरक्षा के किए गए है पुख्ता इंतजाम: प्रभारी डीएम ने बताया कि इस उपचुनाव में मतदान को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। सभी बूथों पर मतदान कर्मियों के अलावे सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गश्ती सह ईवीएम संग्रहण दल को निर्देश दिया गया कि मतदान प्रारम्भ होने के दो घंटा पूर्व मतदान केन्द्र पर ईवीएम एवं अन्य संबंधित कागजात पीठासीन पदाधिकारी को हस्तगत कराना है एवं मतदान संपन्न होने के बाद मुहरबंद ईवीएम एवं अन्य कागजात को सकुशल वज्रगृह पहुंचाना जाएगा। सभी गश्ती सह ईवीएम संग्रहण दल के पदाधिकारी मतदान केन्द्रों के लिए प्रस्थान करते समय रास्ते में पड़ने वाले सभी चेक प्वाइंटों व थानों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे।

प्रभारी जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट मतदान के एक दिन पूर्व ही अपने निर्धारित क्षेत्र की पूरी जानकारी प्राप्त करेंगे एवं मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर सुनिश्चित कर लेंगे कि मतदान दल मतदान सामग्रियों के साथ मतदान केन्द्र पर पहुंच गए हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मतदान के दिन सुबह पांच बजे अचूक रूप से अपने-अपने सेक्टर क्षेत्र में पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही भ्रमणशील रहकर सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान दल, सशस्त्र दल की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त करना एवं इसकी सूचना जिला या अनुमंडल व प्रखंड स्तर पर कार्यरत नियंत्रण कक्ष को देना। सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि मतदान के दौरान आदर्श आचार संहिता का कठोरता से पालन कराएंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी अपने क्षेत्रान्तर्गत विधि व्यवस्था का संधारण पूर्ण मुस्तैदी एवं तत्परता से करेंगे व आकस्मिक घटनाओं के संबंध में अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न कराना जोनल मजिस्टेज्ट व पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेवारी: ब्रिफिंग के दौरान प्रभारी जिलाधिकारी ने कहा कि जोनल मजिस्टेज्ट व पुलिस पदाधिकारी अपने प्रतिनियुक्ति स्थान पर योगदान के ठीक बाद अपने क्षेत्रान्तर्गत मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर लेंगे एवं मतदाताओं को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं स्वतंत्र निर्वाचन में सहयोग करेंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके क्षेत्राधीन सभी मतदान केन्द्रों के मतदान दल एवं गश्ती दल अपने क्षेत्र में पहुंच गये हैं। मतदान दल के मतदान केन्द्रों पर पहुंचने की सूचना 27 जून की शाम से निश्चित रूप से जिला निर्वाचन पदाधिकारी या अनुमंडल पदाधिकारी, जिला नियंत्रण कक्ष को देंगे। जोनल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी अपने क्षेत्रान्तर्गत प्रतिनियुक्त सेक्टर दण्डाधिकारी से प्राप्त सभी सूचनाओं का आदान-प्रदान के साथ-साथ किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति में अविलम्ब जिला नियंत्रण कक्ष को सूचित करेंगे।

उपमुख्य पार्षद पद के लिए ताल ठोक रहे है आधा दर्जन प्रत्याशी: बता दें कि पूर्व उपमुख्य पार्षद इशरत बानों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगा अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि वार्ड 20 की पार्षद की मौत हो चुकी है। जिस कारण रिक्त पदों पर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उप चुनाव कराया जा रहा है। इस उप चुनाव के लिए उप मुख्य पार्षद पद के लिए आधा दर्जन प्रत्याशी तथा वार्ड 20 के पार्षद पद के लिए कुल तीन प्रत्याशी मैदान में है।

सीओ के खिलाफ बढ़ा जनआक्रोश शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना

केटी न्यूज/केसठ

केसठ अंचलाधिकारी के कथित दुर्व्यवहार और मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा अब उबाल पर है। शुक्रवार को दर्जनों ग्रामीणों ने केसठ प्रखंड कार्यालय के सामने अंचलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया।

इस दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि अंचलाधिकारी आम लोगों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और लगातार मनमानी कर रहे हैं। धरने का नेतृत्व कर रहे ग्रामीण सतेंद्र दुबे उर्फ भूलन दुबे ने बताया कि सरकारी कार्यालय जनता के लिए है, लेकिन यहां जनता को ही अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक अंचलाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। इस विरोध में केसठ, रामपुर और कतिकनार पंचायतों के लोग भी खुलकर शामिल हुए और अंचलाधिकारी के व्यवहार की तीखी आलोचना की। ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी लवकुश कुमार को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया कि अंचलाधिकारी की कार्यशैली की जांच हो और जल्द कार्रवाई की जाए, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना स्थल पर मौजूद केसठ पंचायत के मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने कहा कि अगर अफसरशाही नहीं रुकी, तो सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ी जाएगी। वहीं, डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी और राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एनडीए सरकार में गरीब, किसान और बेरोजगारों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारी बेलगाम हो चुके हैं। धरने में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और अंचलाधिकारी हो बर्खास्त, जनता का अपमान नहीं सहेगा जैसे नारे लगाए।

हालांकि, बाद में प्रभारी बीडीओ लवकुश कुमार के पहल पर ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ तथा शाम में ग्रामीणों ने अपना अनिश्चितकालीन धरना समाप्त किया। इस धरने को ले पूरे दिन प्रखंड व अंचल कार्यालय में अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

दखिनांव में फंदे पर झूल गया 18 वर्षीय युवक, पसरा मातम

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के दखिनांव गांव में एक युवक पंखे में फंदा डाल फांसी पर लटक गया। घटना शुक्रवार सुबह करीब दस बजे की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। वहीं, स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा है। स्वजनों ने इस मामले में किसी तरह की आशंका नहीं जताई है।

मृतक की पहचान दखिनांव निवासी अनिल कान्त दूबे के 18 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार दूबे के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार अनिलकांत का गांव के अलावे कोरानसराय छोटका पड़ाव के पास भी एक घर है। इस नये वाले घर में ही उनका परिवार रह रहा था तथा गांव वाले घर से भी आना जाना लगा रहता था।

शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे अंकुश स्वजनों से गांव वाले घर जाने की बात कह निकला था तथा गांव वाले घर पहुंच वह सीढ़ी के सहारे पंखे में फंदा डाल फांसी लगा लिया। कुछ घंटों के बाद उसे खोजते जब घरवाले वहां पहुंचे तो उसे फंदे पर लटका देख स्वजन चित्कार कर उठे। परिजनों के क्रंदन चित्कार सुन ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। इसी दौरान किसी ने पुलिस को भी घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा शव को फंदे से उतार पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि स्वजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, घटना के बाद से गांव में मायूशी छाई है।

सुजायतपुर में बड़ी चोरी की वारदात, लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर फरार हुए चोर

केटी न्यूज/राजपुर

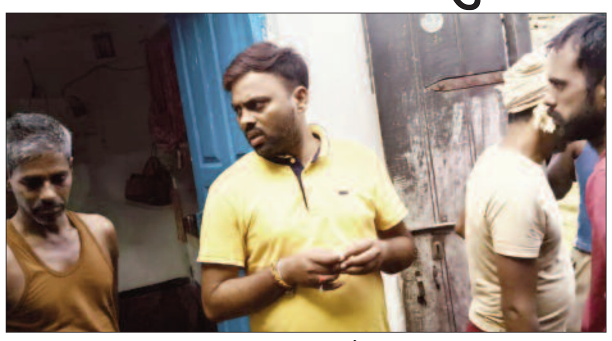

प्रखंड के धनसोई थाना क्षेत्र अंतर्गत सुजायतपुर गांव में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली। चोरों ने घर से सोने-चांदी के आभूषणों समेत कई कीमती सामान चुरा लिए। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है। और लोग भयभीत हैं। सूचना पुलिस को मिली जहा पुलिस पहुंच मामले की जांच की, वही, पीड़ित द्वारा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ आवेदन दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार सुजायतपुर निवासी राजेश कुशवाहा के घर पर गुरुवार की रात परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में थे। इसी दौरान चोरों ने सुनसान रात का फायदा उठाते हुए छत के सहारे घर में प्रवेश किया और बक्से में रखे आभूषणों व अन्य आवश्यक सामान पर हाथ साफ कर दिया। शुक्रवार की सुबह जब परिवार के लोग जगे तो घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त देख दंग रह गए। देखते ही देखते चोरी की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता सुमित सिंह मौके पर पहुंचे और तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार की ओर से अज्ञात चोरों के विरुद्ध थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

सुमित सिंह ने कहा कि सुजायतपुर गांव में वर्षों बाद इस तरह की चोरी की घटना घटी है, जिससे गांव के लोग स्तब्ध हैं। वही, थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया चोरी की घटना मिलते ही पुलिस पहुंच मामले की जांच की गई। प्राथमिकी दर्ज के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

मुंगाव में मामूली विवाद में मारपीट, दो जख्मी; पांच पर प्राथमिकी

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मुंगाव गांव में मामूली विवाद मारपीट में बदल गया, जिसमें बाप-बेटे की जमकर पिटाई कर दी गई। इस संबंध में पीड़ित धीरज कुमार ने पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित ने थाने में दिए आवेदन में बताया कि वह अपने पिता के साथ खेत से घर लौट रहा था, तभी रास्ते में गांव के ही पांच लोगों ने पहले गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मारपीट पर उतर आए। लाठी-डंडे से की गई इस मारपीट में बाप-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दोनों को अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। कोरानसराय थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर पांच आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

प्रभारी जिलाधिकारी सह डीडीसी ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा, बोले...

बायोमेट्रिक अटेंडेंस के आधार पर हो चिकित्सकों व कर्मियों का वेतन भुगतान

केटी न्यूज/बक्सर

प्रभारी जिलाधिकारी बक्सर सह डीडीसी आकाश चौधरी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक में प्राप्त निर्देश के अनुपालन की समीक्षा समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई।

संस्थागत प्रसव की समीक्षा के क्रम में प्रखंड चक्की एवं राजपुर में कम प्रगति होने के कारण संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से शो-कॉज पूछते हुए मंतव्य के साथ प्रतिवेदन देने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया गया। साथ ही, जिले के सभी एमओआईसी को संस्थागत प्रसव में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। जिलांतर्गत पीएचसी/सीएचाी में जीएनएम की प्रतिनियुक्ति नियमानुसार करने के लिए सीएस को निर्देश दिया गया। एसएनसीयू में प्रतिनियुक्त डॉक्टरों की ससमय एवं निर्धारित समय तक उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा गया।

सीएस को निर्देश दिया गया कि महिला एवं पुरुष बंध्याकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध एक माह के अंदर शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। सिविल सर्जन को सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोगी कल्याण समिति का गठन कर उसका नियमित बैठक कराने का निर्देश दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए आने वाले मरीजों का जर्नी टाइम एवं वेटिंग टाइम की समीक्षा के क्रम में सदर अस्पताल बक्सर की प्रगति असंतोषजनक पाई गई। सिविल सर्जन बक्सर एवं जिला स्वास्थ्य प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि चिकित्सको की उपस्थिति एवं आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराते हुए जर्नी टाइम एवं वेटिंग टाइम को 30 मिनट के अंदर कराना सुनिश्चित करें।

टीबी मरीजों के पहचान के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रखंड राजपुर में उपलब्धि काफी कम पाई गई। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बक्सर जिला, उपाधीक्षक सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडल अस्पताल डुमरांव को लक्ष्य के अनुरूप मरीजों का टीबी जांच करने का निर्देश दिया गया।

पोषण पुनर्वास केंद्र में मात्र सात बच्चों का इलाज किया गया, जिस पर प्रभारी जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई। सिविल सर्जन को आईसीडीएस डीपीओ से समन्वय स्थापित कर पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित बच्चों को भेजने का निर्देश दिया गया।

प्रभारी जिलाधिकारी ने सीएस को निर्देश दिया कि बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर चिकित्सकों एवं कर्मियों का वेतन या मानदेय भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही निर्देश दिया गया कि जिला अंतर्गत सभी अस्पताल में आवश्यक उपकरण एवं दवा आदि की समीक्षा एवं समन्वय कर पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

डुमरांव में बढ़ा साइबर अपराध: नये-नये ट्रेंड अपना लोगों को जाल में फंसा रहे साइबर अपराधी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में साइबर अपराध के मामले बढ़ गए है। साइबर अपराधी हर दिन नये-नये तरीके से न सिर्फ भोले-भाले लोगों बल्कि पढ़े-लिखे लोगों को फांस उनका आर्थिक दोहन कर रहे है। इनमें अधिकतर मामले या तो पुलिस के पास जाते ही नहीं है और जाते भी है तो पुलिस एफआईआर दर्ज करने से अधिक कुछ नहीं कर पा रही है।

◆ पुलिस तक नहीं पहुंच पा रहे है अधिकतर मामले, उद्भेदन में पुलिस भी हो रही है लाचार

हाल के दिनों डुमरांव में हुए साइबर अपराध का एक मामला काफी सुखियों में है, जिसमें दर्जन लोग साइबर अपराधियों के जाल में फंस गए तथा उनके मोबाईल फोन हैंग हो गए। हालांकि, किसी ने इसकी जानकारी पुलिस को नहीं दी है, बल्कि निजी स्तर से प्रयास कर उससे बाहर निकले है, लेकिन अभी तक उन्हें यह पता नहीं चल पाया है कि साइबर अपराधियों द्वारा उनके मोबाईल को हैंक कर क्या-क्या डेटा या बैंक डिटेल्स या पैस उड़ाए है।

मिली जानकारी के अनुसार राजगोला रोड के व्यवसायी चंदन केशरी के मोबाईल पर मुंबई के उसके परिचित व्यवसायी के व्हाट्स एप से शादी का एक कार्ड भेजा गया, जैसे ही चंदन ने उक्त शादी कार्ड वाले मैसेज को खोला कि उसका मोबाईल हैंग हो गया तथा यह मैसेज उसके कंटेक्ट में सेव सभी व्हाट्सएप नंबरों पर चला गया तथा जो-जो लोग उस मैसेज को खोले सबका मोबाइल उसी तरह से हैंग हो गया।

इस मामले में पीड़ित खिरौली निवासी रोबिन चौबे ने बताया कि बुधवार को उसके मोबाईल पर चंदन के नंबर से शादी कार्ड का मैसेज आया, मुझे लगा कि उसके घर कोई मांगलिक कार्यक्रम हो रहा है। मैने कार्ड को पढ़ने के लिए जैसे ही व्हाट्स एप पर मैसेज को खोला कि मेरा मोबाईल हैंग हो गया तथा मोबाईल खुलने के लिए सभी तरह के एप पर मैसेज भेजने का स्वीकृति मांगने लगा, लेकिन मैं एक परिचित मोबाईल व कंप्यूटर के जानकार के पास पहुंचा, जिसने मेरे मोबाईल को फार्मेट कर मुझे साइबर ठगी से बचा लिया। रोबिन ने बताया कि उसके साथ दर्जनों अन्य लोगों पर यह मैसेज गया था, जिनका मोबाईल हैंग हो चुका है। उन्होंने बताया कि उक्त मैसेज एपीके नाम से आया था।

क्लोन एप से भी फ्राड कर रहे है साइबर अपराधी: वहीं, दूसरी तरफ साइबर फ्राडो का एक ऐसा गिरोह भी सक्रिय है, जो फोन पे या गुगल पे आदि का क्लोन ऐप बना व्यवसायियों को ठगी का शिकार बना रहे है। पिछले दिनों डुमरांव थाना से महज 100 मीटर दूर रवि इलेक्ट्रिक से साइबर फ्राडो ने क्लोन एप के जरिए 35 हजार रुपये की ठगी कर ली थी। रवि का कहना है कि यह गिरोह पूरे अनुमंडल में सक्रिय है। अनुमंडल के कई इलाकों के इलेक्ट्रानिक व अन्य दुकानदारों से सामान खरीदने के बाद क्लोन एप से पेमेंट करने का झांसा दे, सामान ले रफूचक्कर हो जा रहे है।

ऑनलाइन एफआईआर को ट्रेस कर पीड़ितों का दोहन कर रहे है फ्राड: वहीं, साइबर फ्राडो का एक गिरोह ऐसा भी है जो ऑनलाइन दर्ज हो रहे एफआईआर को ट्रेस कर उसके पीड़ितो को फोन कर केस से नाम निकालने या पक्ष में करवाने के लिए पैसे की मांग की जा रही है।

मंगलवार को एससीएसटी ऐक्ट के एक पीड़ित के पास एक साइबर फ्राड ने फोन किया तथा बताया कि मैं एसपी ऑफिस से बोल रहा हूं, आपके तथा आपके परिजनों के उपर हुए एससी-एसटी ऐक्ट को यदि आप रफा-दफा करवाना चाहते है तो तत्काल मेरे यूपीआई नंबर पर 30 हजार रूपए भेजिए। उसने धमकी भी दी कि किसी को बताने या पैसा नहीं डालने पर केस आपके खिलाफ हो जाएगा, लेकिन पीड़ित उसे ताड़ गया जिससे वह साइबर ठगी से बच गया।

जागरूकता बहुत जरूरी

साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता व जानकारी बहुत जरूरी है। हमें किसी भी अन्योन नंबर से आए मैसेज या फोटो को डाउनलोड नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर आपका ऐक्सेस नंबर व साफ्टवेयर प्रोग्राम साइबर अपराधी हैंडल करने लगते है। क्लोन एप से बचने के लिए व्यवसायियों को यह चेक कर लेना चाहिए कि उनके खाते में पेमेंट हुआ कि नहीं। एफआईआर के ऑनलाइन होने के बाद उसे ट्रेस करना आसान हो गया है।

– **अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव**

वीकेएसयू कर्मियों के प्रोन्नति का रास्ता साफ

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय, पीजी विभाग और अंगीभूत कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकेतर कर्मियों को प्रोन्नति देने को ले एक बार फिर से कवायद तेज कर दी गयी है। राजभवन से प्रोन्नति को लेकर मांगी गई अनुमति मिल गई है। अगले सप्ताह में रिजल्ट जारी किया जाएगा। विवि और कॉलेजों के वैसे कर्मियों को ही प्रोन्नति मिलेगी कंप्यूटर में दक्ष है। दरअसल कर्मचारियों के प्रोन्नति को लेकर लिखित और कंप्यूटर ज्ञान की परीक्षा ली गई है। परीक्षा में 167 कर्मचारी शामिल हुए थे। तृतीय वर्ग के विभिन्न पदों पर प्रोन्नति के लिए परीक्षा ली गई थी। प्रोन्नति के बाद सहायक और प्रशाखा पदाधिकारी का पद कर्मियों को मिलेगा।

कर्मियों को बिहार सरकार के निर्देश, नियम और परिनियम के आलोक में प्रोन्नति मिलेगी। रिजल्ट प्रकाशित होने के बाद प्रोन्नति कमेटी प्रोन्नति पर कार्य करेगी। प्रोन्नति को लेकर कर्मचारी लगातार थे संघर्षरत पद प्रोन्नति की मांग को लेकर कर्मचारी लगातार संघर्षरत थे। उनके द्वारा कई बार धरना प्रदर्शन किया गया। इसके बाद कर्मियों को प्रोन्नति देने के लिए कुलपति प्रो शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने संज्ञान लिया। पिछले माह कुलपति की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इसमें कर्मियों को बिहार सरकार के निर्देश, नियम और परिनियम के आलोक में प्रोन्नति देने पर विचार किया गया था।

जयपुर गैस टैंकर हादसे की पुनरावृति होते-होते बची, एनएच 922 पर पांच घंटे ठप रहा परिचालन

गैस टैंकर में बालू लदे ट्रक की टक्कर से फटा सेफ्टी वाल्व, लीक होने लगी गैस

◆ 10 किमी लंबा लगा जाम, नया भोजपुर पुलिस की तत्परता की हो रही है सराहना

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में जयपुर गैस टैंकर ब्लास्ट जैसी घटना की पुनरावृति होने से बच गई है। बालू लदे एक ट्रक की टक्कर से एलपीजी के गैस टैंकर का सेफ्टी वाल्व फट गया था, जिस कारण टैंकर से तेजी से गैस का रिसाव होने लगा था। सूचना मिलते ही नया भोजपुर पुलिस ने तीन किमी के दायरे से वाहनों को हटा दिया था, वहीं गीधा गैस प्लांट के तकनीशियनों की टीम मौके पर पहुंची तथा फटे वाल्व की मरम्मत कर रिसाव को बंद किया। इस दौरान एहतियात के तौर पर अग्निशमन विभाग की आधा दर्जन वाहनों को बुलाया गया था।

यह हादसा गुरूवार की मध्य रात्रि नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर व टोल प्लाजा के बीच की है। हादसा टलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान करीब पांच घंटे तक एनएच 922 पर वाहनों का परिचालन ठप हो गया था तथा करीब एनएच के दोनों तरफ करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया था।

गीधा से गैस लेकर यूपी जा रही थी टैंकर: मिली जानकारी के अनुसार गीधा स्थित एलपीजी के प्लांट से गैस लेकर एक टैंकर यूपी की तरफ जा रही थी। रात करीब 11.45 बजे यह टैंकर पर प्रतापसागर व टोल प्लाजा के बीच पहुंची थी कि पीछे से नासिरीगंज से बालू लाद आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उक्त टैंकर में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे गैस टैंकर का सेफ्टी वाल्व फट गया और टैंकर से गैस का रिसाव होने लगा। वहीं, दुर्घटना को अंजाम दे ट्रक चालक अपना वाहन छोड़ भाग खड़ा हुआ, जबकि टैंकर चालक मनोज गिरी ने जान की परवाह छोड़ पहले इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस व गीधा गैस प्लांट के अधिकारियों को दी।

टैंकर चालक से जानकारी मिलते ही एक तरफ नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत राहत व बचाव कार्य में जुट गई तथा करीब तीन किमी के दायरे में खड़े वाहनों को हटा एनएच पर वाहन परिचालन रोक दिया गया, दूसरी तरफ गीधा गैस प्लांट के सेफ्टी टेक्निकल टीम भी घटना स्थल पर पहुंची तथा करीब तीन-चार घंटे के अथक प्रयास के बाद फटे सेफ्टी वाल्व की मरम्मत कर गैस रिसाव को बंद कर अगलगी व हादसे के खतरे को टाल दिया। खतरा टलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली, वहीं लोग नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार के त्वरित प्रयासों की सराहना कर रहे थे।

वाहन चालकों में मच गई थी भगदड़: एलपीजी लदे गैस टैंकर से रिसाव शुरू होते ही एनएच 922 पर फर्राटे भर रहे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया था। संभावित खतरे को भांप सभी जल्दी ही उस जगह से दूर जाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान जाम लगने लगा था। वाहन चालकों में पूरी तरह से अफरा-तफरी का माहौल था। हालांकि, मौके पर पहुंची नया भोजपुर पुलिस की टीम ने जाम हटवाया तथा घटना स्थल से तीन किलोमीटर के दायरे में खड़ी वाहनों को हटाने के साथ ही दुकानों को भी बंद करा दिया था। पुलिस ने एहतियात के तौर पर अग्निशमन विभाग को सूचना भी दी, मौके पर फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन गाड़ियां पहुंची थी, लेकिन अगलगी नहीं होने से उनकी जरूरत नहीं पड़ी।

एक चिंगारी और हो सकता था बड़ा हादसा: गैस टैंकर से एलपीजी के रिसाव से बड़ा हादसा हो सकता था। इस दौरान एक छोटी चिंगारी भी पूरे टैंकर को एक झटके में ब्लास्ट करा सकती थी तथा इस दौरान कुछ किलोमीटर के एरिया में अगलगी की घटना हो सकती थी, जिससे जान-माल की भारी क्षति होती।

सुबह रवाना हुई टैंकर : दीधा एलपीजी प्लांट के सेफ्टी इंचार्ज रंजीत कुमार के नेतृत्व में आई तकनीशियनों की टीम ने चार-पांच घंटे के अथक प्रयास के बाद रिसाव को बंद करने में सफलता पाई। सुबह में गैस टैंकर को रवाना किया गया। सेफ्टी इंचार्ज ने बताया कि टैंकर के वाल्व की मरम्मत कर उसे ठीक कर दिया गया है।

विधि व्यवस्था को नियंत्रित किया गया

मध्य रात्रि एलपीजी गैस लदी टैंकर में रिसाव की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच विधि व्यवस्था को नियंत्रित किया गया। एहतियात के तौर पर तीन किलोमीटर के दायरे में खड़े वाहनों को हटा लिया गया था तथा मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम को बुलाया गया था। गीधा गैस प्लांट के तकनीशियनों का प्रयास भी सराहनीय है। – **मनीष कुमार, थानाध्यक्ष, नया भोजपुर**

एक नजर

आरपीएफ और राजकीय रेल पुलिस ने छापेमारी कर गांजा के साथ तस्कर को दबोचा

डेहरी ऑन सोन। शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन के निरीक्षक प्रभारी राम विलास राम के नेतृत्व में सउनि राजेंद्र कुमार दास, सउनि मनोज कुमार चौधरी,आरक्षी अरविंद कुमार व आरक्षी अभिमन्यु सिंह एवं पोस्ट स्तर पर गठित टास्क टीम के सदस्य आरक्षी सर्वोदय पासवान तथा आरक्षी उमेश कुमार सिंह अपराध आसूचना शाखा गया जिला के प्रधान आरक्षी सर्वजित राय तथा आरक्षी नवीन कुमार पाण्डेय एवं राजकीय रेल थाना-डेहरी ऑन सोन के अवर निरीक्षक नागेश्वर मंण्डल व आरक्षी विकास कुमार की संयुक्त टीम द्वारा गाड़ियों को सुरक्षित पास करवाने के क्रम में मुखबिर खास की सूचना पर? प्लेटफॉर्म संख्या 01 के पश्चिमी छोर पर रोहित कुमार उम्र 19 वर्ष, पिता ललित कुमार साकिन बेलथान थाना अथमलगोला, जिला पटना नाम के एक व्यक्ति को उसके पास के रखे काले रंग के पिट्ठू बैग में रखे 02-02 किलोग्राम के 03 बंडलों कुल 06 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा गया।पुछने पर बताया कि मैं इसे उड़ीसा से ला रहा हूँ और यहां से पटना ले जाता। जिसे नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी अंचलाधिकारी संजय कुमार को बुलाया गया एवं उन की उपस्थिती में विडियोग्राफी कराते हुए विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया तथा उक्त व्यक्ति को उसके अपराध से अवगत कराते हुये माननीय नयायालय द्वारा जारी दिशा निदेशों का पालन करते हुए कब्जा रेसुब लेकर पोस्ट पर लाया गया और सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार दास के लिखित शिकायत पत्र के साथ गिरफ्तार व्यक्ति व जप्तशुदा गांजा को अग्रिम कार्यवाही वास्ते रेल थाना डेहरी ऑन सोन को सुपुर्द किया गया।

आरपीएफ ने नाबालिग लड़की का रेस्क्यू कर चाइल्ड हेल्पलाइन को किया सुपुर्द

डेहरी ऑन सोन। ड्यूटी में तैनात सहायक उप निरीक्षक हरेराम कुमार के साथ आरक्षी कमल राज डेहरी रेलवे स्टेशन पर चेकिंग व ट्रेन पासिंग। इसी क्रम में प्लेटफार्म संख्या 4/5 के पूर्वी यात्री शेड में एक नाबालिक बच्ची को संदिग्ध अवस्था में बैठे हुए पाया जिस पर संदेह होने पर महिला आरक्षी प्रीति कुमारी को मौके पर बुलाकर उक्त नाबालिक बच्ची की पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पता काल्पनिक जूली शर्मा उम्र करीब 16 वर्ष पिता स्वर्गीय कैलाश शर्मा ग्राम थाना काराकाट जिला रोहतास बताया एवं बताया कि वह अपने घर से झगड़ा कर यहां आ गई है। बाद इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर देते हुए उक्त नाबालिक बच्ची को महिला आरक्षी प्रीति कुमारी के सहयोग से रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन कार्यालय में लाकर उसकी देख रेख में सुरक्षित रखा गया। सूचना पाकर चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम से मो. जमशेद आलम सुपरवाइजर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन पर उपस्थित हुए जिनके द्वारा उक्त नाबालिक बच्ची की काउंसलिंग की गई। बाद में दोनों बच्चों को उनकी बेहतर भविष्य एवं पारिजनो तक सुरक्षित पहुंचाने हेतु एक सुपुर्द गीनामा तैयार कर एवं फोटोग्राफी कर अग्रिम कार्रवाई वास्ते चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम से आए सुपरवाइजर मोहम्मद जमशेद आलम को सही सलामत सुपुर्द किया गया।

आरपीएफ और राजकीय रेल पुलिस ने छापेमारी कर गांजा के साथ तस्कर को दबोचा

डेहरी ऑन सोन। शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन के निरीक्षक प्रभारी राम विलास राम के नेतृत्व में सउनि राजेंद्र कुमार दास, सउनि मनोज कुमार चौधरी,आरक्षी अरविंद कुमार व आरक्षी अभिमन्यु सिंह एवं पोस्ट स्तर पर गठित टास्क टीम के सदस्य आरक्षी सर्वोदय पासवान तथा आरक्षी उमेश कुमार सिंह अपराध आसूचना शाखा गया जिला के प्रधान आरक्षी सर्वजित राय तथा आरक्षी नवीन कुमार पाण्डेय एवं राजकीय रेल थाना-डेहरी ऑन सोन के अवर निरीक्षक नागेश्वर मंण्डल व आरक्षी विकास कुमार की संयुक्त टीम द्वारा गाड़ियों को सुरक्षित पास करवाने के क्रम में मुखबिर खास की सूचना पर प्लेटफॉर्म संख्या 01 के पश्चिमी छोर पर रोहित कुमार उम्र 19 वर्ष, पिता ललित कुमार साकिन बेलथान थाना अथमलगोला, जिला पटना नाम के एक व्यक्ति को उसके पास के रखे काले रंग के पिट्ठू बैग में रखे 02-02 किलोग्राम के 03 बंडलों कुल 06 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा गया।पुछने पर बताया कि मैं इसे उड़ीसा से ला रहा हूं और यहां से पटना ले जाता हूं।

मोहर्रम के चांद जुलूस में हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से दर्जन लोग झुलसे, सड़क जाम

केटी न्यूज/सासाराम

जिला क्षेत्र के अकबरपुर गांव में मोहर्रम के अवसर पर निकाले जा रहे चांद जुलूस के दौरान शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। जुलूस के दौरान अचानक एक हाई वोल्टेज विद्युत तार की चपेट में आने से करीब दर्जन भर लोग झुलस गए। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार के बीच स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी तोराब नियाजी मौके पर पहुंचे और घायल लोगों को अपनी निगरानी में इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वही अस्पताल में घायलों का इलाज चल रहा है। जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी तरफ से हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्य सड़क को घंटों तक जाम कर दिया। उनका कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह घटना हुई है। कई बार तार की मरम्मत और उसे ऊंचा करने की मांग की गई थी, लेकिन विभाग ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

आक्रोशित ग्रामीणों की मांग : दोषी अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई हो, घायलों को समुचित इलाज और मुआवजा मिले। क्षेत्र में सभी जर्जर बिजली तारों की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

वहीं प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा प्रशासन और बिजली विभाग की घोर लापरवाही की एक और मिसाल बन गया है, जिससे लोगों में भारी रोष है।

तीन दिवसीय रुद्र यज्ञ का हुआ समापन

◆ शिव विवाह कथा, भंडारे और भक्तिमय वातावरण ने बांधा समां

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के खरपूरा गांव स्थित शिव मंदिर के स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय रुद्र यज्ञ शुक्रवार को विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण, शिव विवाह कथा और भव्य भंडारे के साथ संपन्न हो गया। यज्ञ के समापन पर पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

इस अवसर पर कथा वाचिका किशोरी प्रज्ञा पांडेय ने शिव विवाह प्रसंग पर विस्तार से कथा सुनाई। उन्होंने माता सती के आत्मत्याग से लेकर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म और भगवान शिव से विवाह तक की कथा भक्तों को सुनाई। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि ध्यक्ति को वहां नहीं जाना चाहिए जहां उसकी कदर न हो, चाहे वह मित्र हो या सगा संबंधी। कथा के दौरान उन्होंने गुरु, माता-पिता, स्वामी और सच्चे मित्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कथा के साथ संगीत संयोजन में रविंद्र तिवारी (हारमोनियम), उमाशंकर (नाल), शिव चरण (बैंजो), भोला जी (पैड) और अखिलेश पांडेय (जोड़ी) ने अपनी भूमिका निभाई। समाजसेवी रजनीकांत दुबे उर्फ जुगनू दुबे ने कथा वाचिका व वादकों का अंगवस्त्र देकर भव्य सम्मान किया। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गुड्डू पांडेय, राम बिहारी पांडेय सहित गांव के अन्य ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। आयोजन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ और भंडारे में भाग लिया।

गिट्टी दुकान से शराब किया बरामद, एक गिरफ्तार

दिनारा। दिनारा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र अंतर्गत खनिता चौक के समीप एक गिट्टी दुकान से प्रतिबंधित अंग्रेजी शराब बरामद किया है। पुलिस ने मौके से करीब 9 पीस 180 एमएल का 8 पीएम ब्रांड का अंग्रेजी शराब जब्त किया है।

इस मामले में पुलिस ने बेलासपुर निवासी विनोद साह पिता बुधराम साह को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी गुप्त रूप से शराब का कारोबार कर रहा था। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान गिट्टी दुकान से 9 पीस अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है और इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है।

पुराना भोजपुर में अचीवर्स लाइब्रेरी की हुई शुरूआत, एक साथ 150 बच्चे कर सकेंगे पढ़ाई

लाइब्रेरी से युवाओं को मिलेगा लाभ: राजीव

केटी न्यूज/डुमरांव

डिजीटल लाइब्रेरी आज की जरूरत है। इंटरनेट पर सभी तरह की जानकारियां आसानी से मिल जाती है, जिससे छात्रों को आज के कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहूलियत मिलती है। उक्त बातें नंदन पंचायत के पूर्व मुखिया सह न्यू वुड स्टॉक स्कूल के डायेक्टर राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक ने शुक्रवार को पुराना भोजपुर में कही। अवसर था अचीवर्स लाइब्रेरी के उद्घाटन के मौके का।

इसके पूर्व राजीव कुमार व प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉ. राजेन्द्र दूबे ने इस लाइब्रेरी का संयुक्त रूप से फीता काट उद्घाटन किया। इस डिजीटल लाइब्रेरी में एक साथ 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था है, जहां उन्हें इंटरनेट के साथ ही कई अन्य आधुनिक सुविधाएं मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनेगा है। उद्घाटन के अवसर पर पूर्व प्रमुख सह स्टेपिंग स्कूल के डायरेक्टर सुरेश सिंह, समाजसेवी विनोद वर्मा, संचालक संजय कुमार दुबे व मो. दानिश अंसारी के साथ क्षेत्र के शिक्षाविद, समाजसेवी और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

लाइब्रेरी के प्रोपराइटर संजय दुबे व मो. दानिश अंसारी ने बताया कि अचीवर्स लाइब्रेरी को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। यहां विद्यार्थियों को न्यूनतम शुल्क में शांत और सुरक्षित माहौल में पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। लाइब्रेरी में 24 घंटे बिजली की सुविधा, हाई-स्पीड इंटरनेट, आरामदायक फर्नीचर और पुस्तक संग्रह जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रोपराइटर ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को अब शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें अपने ही गांव में आधुनिक लाइब्रेरी की सुविधा मिल सकेगी, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। वहीं, उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह लाइब्रेरी क्षेत्र के युवाओं के लिए एक नई उम्मीद बनकर सामने आई है।

पुलिस ने गिट्टी दुकान से शराब किया बरामद, मामले में एक गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र अंतर्गत खनिता चौक के समीप एक गिट्टी दुकान से प्रतिबंधित अंग्रेजी शराब बरामद किया है। पुलिस ने मौके से करीब 9 पीस 180 एमएल का 8 पीएम ब्रांड का अंग्रेजी शराब जब्त किया है। पुलिस ने बेलासपुर निवासी विनोद साह पिता बुधराम साह को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी गुप्त रूप से शराब का कारोबार कर रहा था। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान गिट्टी दुकान से 9 पीस अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है।

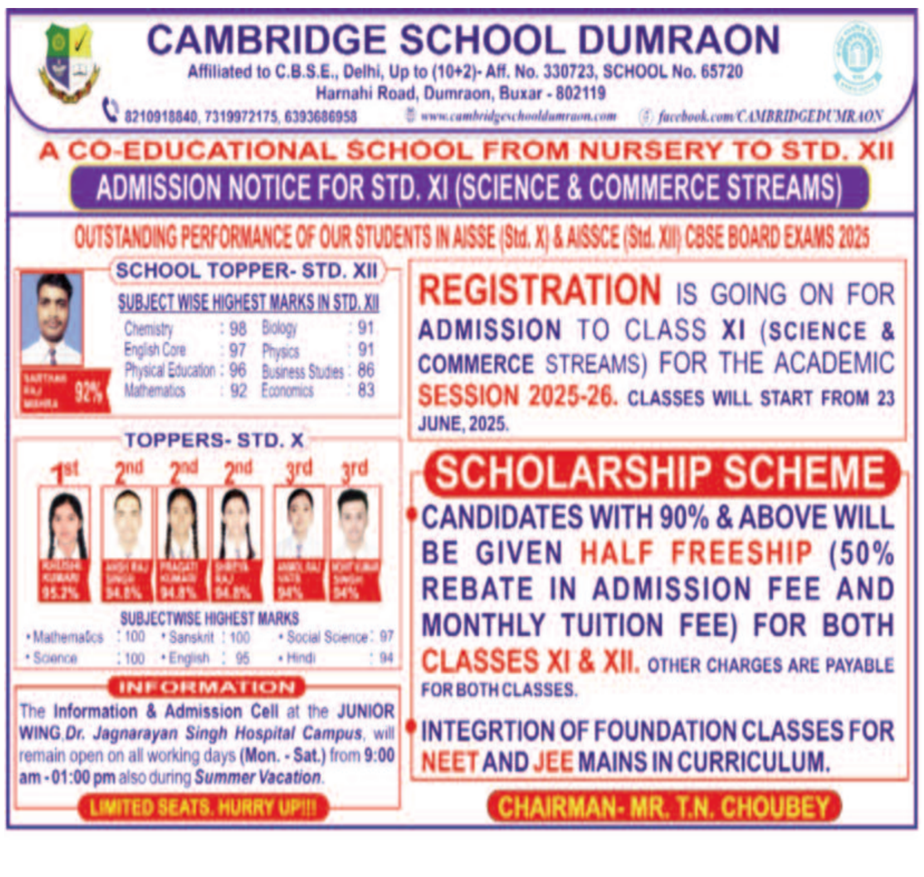

50 किलोवॉट से अधिक बिजली खपत वाले थानों में लगेगा सोलर

होगी बचत

केटी न्यूज/पटना

सूबे के जिस थाने या पुलिस लाइनों में 50 किलोवॉट से अधिक की बिजली खपत हो रही है, वहां सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। ऐसे भवनों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद ऐसे भवनों में सौर्य ऊर्जा प्लांट लगाए जाएंगे। यह जानकारी एडीजी (आधुनिकीकरण, एससीआरबी एवं ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2007-08 से अब तक 1 हजार 14 थाने नए भवन बनाने के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

इनमें अब तक 737 थानों के भवन बनकर तैयार हो गए हैं। जबकि, 277 का निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। एडीजी सुधांशु कुमार ने कहा कि इस वर्ष 17 थानों के भवन बनाने के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इस वर्ष 37 का निर्माण पूरा हो गया है। राज्य में 80 पुलिस थाने ऐसे भी हैं, जो भवन एवं भूमिहीन हैं। इनके लिए जमीन खोजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 34 थानों के लिए चिन्हित स्थानों पर किसी तरह का विवाद होने के कारण यहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा 545 थाना भवन ऐसे हैं, जिनमें महिलाओं के लिए 5 से 20 आवासन क्षमता वाले बैरक भी बनाए गए हैं। 25 पुलिस केंद्र में 100 से 500 क्षमता वाले महिला बैरकों का निर्माण कराया जा रहा है।

अब सभी नए भवनों में महिलाओं का अलग बैरक एवं शौचालय एडीजी ने कहा कि अब जितने भी नए थाना और पुलिस लाइन के भवन बन रहे हैं, उन सभी में महिला कर्मियों के लिए अलग बैरक और शौचालय बनाए जा रहे हैं। अब तक 678 थानों में 5 सीट वाले टॉयलेट का निर्माण कर लिया गया है। 257 में दो सीट वाले शौचालयों का निर्माण किया गया है।

राज्य के सभी जिलों में गठित 43 साइबर थानों और 43 यातायात थानों के लिए भी नए भवन का निर्माण कराया जाएगा। 28 नए यातायात थानों के भवन स्वीकृत कर दिए गए हैं, जिनका निर्माण जल्द शुरू होने जा रहा है। सभी थानों का निर्माण तीन तरह के स्वीकृत मॉडल ए,बी एवं सी के आधार पर ही निर्माण कराया जा रहा है।

सूबे के 545 थानों में बनेंगे अलग महिला बैरक

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण के लिए एक और प्रभावी कदम बढ़ा दिया है। अब तक महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान शौचालय और वॉशरूम के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी। लेकिन अब उन्हें ये परेशानी नहीं झेलनी होगी। महिला पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधाएं देने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। राज्य के 545 थाना भवनों में महिला बैरकों का निर्माण करा दिया गया है, जबकि हर नए थाना भवन में महिलाओं के लिए अलग शौचालय और बैरक बनाना अनिवार्य कर दिया गया है।

महिलाओं की बढ़ी सुविधाएं : एडीजी सुधांशु कुमार ने बताया कि एक समय था, जब बिहार पुलिस में महिला कर्मियों की संख्या बेहद कम थी, लेकिन अब यह आंकड़ा 23 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। इस बढ़ती भागीदारी को देखते हुए सरकार उनके लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर करने पर खास ध्यान दे रही है।

जिसका नतीजा है कि अब महिला पुलिस कर्मियों के लिए अलग से शौचालय, स्नानगृह बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं महिला पुलिसकर्मियों के लिए अलग से बैरक का भी निर्माण किया जा रहा है। एडीजी ने बताया कि अब तक 678 थानों में पांच सीट वाले और 257 थानों में दो सीट वाले शौचालय बन चुके हैं, जिससे ड्यूटी पर तैनात महिला कर्मियों को बड़ी राहत मिली है।

तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ खोला मोर्चा, बोले...

साजिश के तहत काटा जा रहा है मतदाताओं का वोटर लिस्ट से नाम

♦ दलित, पिछड़ों व अति-पिछड़ों का मताधिकार छीनने के लिए नागरिकता का मांगा जा रहा है प्रमाणपत्र

केटी न्यूज/पटना

सूबे में विपक्षी दलों के महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा बताए जा रहे तेजस्वी यादव ने भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को महागठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं के साथ आरजेडी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग साजिश के तहत बिहार चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हिसाब से मतदाताओं की छंटनी कराना चाहता है। इसी कारण आयोग ने बिहार चुनाव में युवा वोटरों से उनके पिता-माता की नागरिकता का प्रमाण मांग रहा है।

तेजस्वी ने बताया कि राज्य सरकार और केंद्र के आंकड़ों के आधार पर बताया कि बिहार में मैट्रिक करने वाले कितने कम हैं और जन्म प्रमाणपत्र वाले कितने कम लोग हैं। उन्होंने बाढ़ में भी ऐसे नागरिकता प्रमाणपत्र बह जाने की बात कहते हुए आरोप लगाया कि आयोग संघ और भाजपा के हिसाब से काम करते हुए दलित, पिछड़ों और अति-पिछड़ों का मताधिकार छीनने के लिए नागरिकता का प्रमाणपत्र मांग रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

आप सबको पता होगा कि चुनाव आयोग ने अचानक से विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा की है। इसका यह मतलब है कि फरवरी माह में जो वोट लिस्ट पब्लिश हुआ था। अब पूरे आठ करोड़ बिहारवासियों का वोटर लिस्ट साइड कर दिया गया। अब नए सिरे से वोटर लिस्ट बनाए जाएंगे। सवाल यह उठता है कि चुनाव से दो महीने पहले आप यह काम क्यों कर रहे हैं? अब क्या यह संभव है कि आठ करोड़ लोगों का 25 दिनों के अंदर आप वोटर्स बना लें। डोर टू डोर जाएंगे। यही नहीं ऐसे ऐसे कागजात मांगे गए हैं तो गरीबों के पास नहीं हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार डरे हुए हैं। बिहार के हाल को देखते हुए सीएम नीतीश कुमार दिल्ली जाते हैं और वह चाहते हैं कि गरीबों का नाम वोटर लिस्ट से हट जाएं। यानी गरीबों को वोट के अधिकार से वंचित करवाना चाहते हैं। लालू यादव हमेशा कहते हैं वोट का राज मतलब छोट का राज। लेकिन, मोदी और नीतीश गरीबों और वंचितों के अधिकार को छीनना चाहते हैं। अब सवाल यह उठता है कि 22 साल के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत क्यों हुई? वह भी केवल बिहार में यह हो रहा है। तेजस्वी यादव ने सवाल पूछा कि जिस गहन पुनरीक्षण में दो साल लगे थे वह इस बार 25 दिन में कैसे पूरा होगा।

लोक अभियोजक ने तोड़ा कानून

सीतामढ़ी। जिले के सिविल कोर्ट में लोक अभियोजक के पद पर तैनात विमल शुक्ला एक वायरल वीडियो को लेकर विवादों में घिर गए हैं। इसमें जदयू का पट्टा पहनकर एक सार्वजनिक मंच से न सिर्फ पार्टी का प्रचार करते नजर आ रहे हैं, बल्कि विपक्ष को पूरी तरह समाप्त मानते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में उसके सफाए की बात भी कर रहे हैं। सीतामढ़ी जिला जदयू कार्यालय के उद्घाटन समारोह का बताया जा रहा है, जिसमें जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर समेत कई पार्टी नेता मौजूद थे। विमल शुक्ला ने कहा कि अब विपक्ष खत्म हो गया है।

नालंदा में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, मेड इन यूएसए लिखी पिस्टल बरामद, दो गिरफ्तार

♦ दिव्यांग ने अपने ननिहाल से सीखा था हथियार बनाने

केटी न्यूज/नालंदा

नालंदा जिले के सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत आशानगर मोहल्ले में चल रही एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का नालंदा पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गुरुवार रात की गई छापेमारी में पुलिस ने मौके से एक दिव्यांग हथियार कारीगर और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है, जो किराए के फ्लैट में हथियार निर्माण का अवैध धंधा चला रहे थे। छापेमारी के दौरान फ्लैट से बड़ी मात्रा में अर्धनिर्मित हथियार, 7.65 एमएम की मेड इन यूएसए पिस्टल, दो मैगजीन, दर्जनों बैरल, स्प्रिंग सहित हथियार निर्माण में प्रयुक्त मशीनें जैसे लेथ मशीन, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर और वेल्डिंग मशीन आदि बरामद किए गए। कुल 60 से अधिक प्रकार की सामग्रियां जब्त की गई हैं। पुलिस ने मौके से फ्लैट में रह रहे अभिषेक विश्वकर्मा और उसकी पत्नी साक्षी कुमारी को गिरफ्तार किया है। अभिषेक दिव्यांग है और उसने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह मुंगेर स्थित अपने ननिहाल से हथियार बनाने की तकनीक सीखी थी और अपनी पत्नी के सहयोग से काफी समय से इस काम में संलिप्त था। एसपी भारत सोनी ने बताया कि यह मामला सीधे तौर पर मुंगेर के कुख्यात हथियार तस्करों से जुड़ा हो सकता है। बरामद एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और खातों की जानकारी से इस बात की जांच की जा रही है कि हथियारों की आपूर्ति किन-किन अपराधियों या गिरोहों को की जा रही थी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर पति-पत्नी को जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किन आपराधिक घटनाओं में किया गया है।

ईओयू ने खाद्य निगम के लेखापाल के ठिकानों पर की छापेमारी

पटना। बिहार खाद्य निगम के लेखापाल राजेश कुमार के छह ठिकानों पर ईओयू की टीम ने छापेमारी की। पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर और मोतिहारी में यह कार्रवाई हुई। आय से अधिक संपत्ति मामले में ईओयू की टीम ने यह कार्रवाई की थी। खास बात यह है कि लेखापाल राजेश कुमार की महिला मित्र रंजना कुमारी के ठिकाने पर भी ईओयू की टीम ने छापेमारी की। वह भी खाद्य निगम में ही पदस्थापित हैं। वह हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के दिग्गी स्थित हनुमान नगर इलाके में रहती हैं।बताया जा रहा है कि करीब सात घंटे तक चली छापेमारी में रंजना से पूछताछ की गई, जिसमें घर से कई फ्लैट और जमीन के कागजात बरामद किए गए।रंजना को 2023 में हाजीपुर खाद्य निगम में तैनात किया गया था। कागजात के संबंध में रंजना से पूछताछ की गई है।

निजी क्षेत्र के निवेश से तैयार होने वाला यह पहला प्रोजेक्ट बना

चार निजी कंपनियों ने पीरपैंती पावर प्रोजेक्ट में करेंगी निवेश,स्थापित होंगी 800 मेगावाट की 3 यूनिटें

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर के पास पीरपैंती में थर्मल पावर प्रोजेक्ट तैयार होने जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि पूरी तरह से निजी क्षेत्र के निवेश से तैयार होने वाला यह पहला प्रोजेक्ट है, जिसे राज्य सरकार अपने स्तर पर विकसित करवा रही है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए ऊर्जा क्षेत्र की चार बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इसमें अदानी पावर, जेएसडब्लू इनर्जी, टॉरेंट पावर और बजाज समूह की ललित पावर कंपनी शामिल हैं।

टेंडर की तमाम प्रक्रियाओं को पूरी करके अंतिम रूप से सफल होने वाली इनमें किसी एक कंपनी का चयन होगा। विभाग से प्राप्त सूचना के मुताबिक, 2 जुलाई तक बिड दस्तावेजों की बिक्री की अंतिम तारीख रखी गई है। 11 जुलाई को तकनीकी और 16 जुलाई को वित्तीय बिड खोलने की तारीख रखी गई है। दोनों चरणों में उपर्युक्त कंपनी का चयन होने के बाद 30 दिनों के अंदर लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) या कार्य शुरू करने का अधिकार पत्र जारी कर दिया जाएगा।

विभाग के स्तर से 17 जून को निविदा से संबंधित आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ई-बिडिंग के माध्यम से आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 25 जून थी। इस प्रोजेक्ट में 800 मेगावॉट क्षमता के तीन प्लांट यानी कुल 2400 मेगावॉट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाएंगे। पीरपैंती में इस प्रोजेक्ट के लिए 1203 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। इसकी नोडल एजेंसी बिहार स्टेट पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) बनाई गई है।

इस वर्ष 4 फरवरी को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में इसे विकसित करने से संबंधित प्रस्ताव पर अंतिम तौर से मुहर लगी थी। इस पॉवर प्लांट को समुचित तरीके से संचालित करने के लिए प्रति वर्ष 10.43 मीलियन टन कोयला की आवश्यता पड़ेगी। कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए पास में मौजूद इस्टर्न कोल फिल्ड लिमिटेड (ईसीएल) के एक कोल ब्लॉक को भी लिंक कर दिया गया है। जबकि 60 क्यूसेक पानी की आपूर्ति के लिए गंगा नदी से लिंक देने के प्रस्ताव पर विचार चल रहा है।

इस पर राज्य सरकार को सहमति देनी है। पीरपैंती पॉवर प्लांट से उत्पन्न होने वाली बिजली बिहार की दोनों पॉवर कंपनियों उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड को सप्लाइ की जाएगी। यहां से उत्पन्न होने वाली अतिरिक्त ऊर्जा को सीधे खुले बाजार में भी बेचा जाएगा। अतिरिक्त बिजली उत्पन्न होने से सूबे में कृषि और उद्योग के क्षेत्र को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलेगी। वहीं दूसरी ओर इस बात की उम्मीद जतायी जा रही है। यह समय पर बनकर तैयार हो जाएगा। साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जिलास्तरीय खो-खो प्रतियोगिता 28 को

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला खो-खो संघ के तत्वावधान में 28 को जिलास्तरीय जूनियर और सीनियर के लिए खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रारंभिक रूप से यह प्रतियोगिता टेल्को स्थित एसके पब्लिक स्कूल में होनी थी, लेकिन प्रतिभागी संस्थाओं और विद्यालयों के आग्रह पर अब इसे एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस संबंध में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संघ के कार्यकारिणी सदस्यों और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। बैठक में संघ के सचिव विक्टर विजय, संयुक्त सचिव दयाल सिंह मेहरा, उपाध्यक्ष बलदेव सिंह मेहरा, कोषाध्यक्ष श्याम कुमार शर्मा, राजकुमार सिंह, धीरज कुमार, ललन यादव, डब्लू रहमान, उषा बाखला, वीरेंद्र मिश्रा, एम अरशद, प्रशिक्षक श्रीकांत कुमार, आकांक्षा कुमारी और आशा कुमारी समेत कई अन्य सदस्य मौजूद थे। प्रतियोगिता में जिले भर से दर्जनों विद्यालयों और क्लब की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से समय पर मैदान में उपस्थित होने की अपील की है।

आपूर्ति विभाग ने निकाला दाल-भात केन्द्रों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का टेंडर

जमशेदपुर, एजेंसी। आपूर्ति विभाग ने जिले में संचालित 17 मुख्यमंत्री दाल-भात केन्द्रों को देने के लिए खाद्यान्न सामग्रियों की आपूर्ति का टेंडर निकाला है। इनमें से छह शहर जबकि 11 केन्द्र ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। चयनित आपूर्तिकर्ता को हर महीने 276 क्विंटल चावल, 9.89 क्विंटल चना और 7.36 क्विंटल सोयाबीन बड़ी की आपूर्ति करनी होगी। हर महीने की पहली से तीन तारीख के बीच सामान दे देना है। इस टेंडर में भाग लेने वाला आपूर्ति विभाग का डोर स्टेप डिलीवरी का ठेकेदार नहीं हो सकता। उसे किसी सरकारी या गैर सरकारी उपक्रम में आपूर्तिकर्ता के रूप में काम करने का अनुभव होना चाहिए और किसी सरकारी विभाग या प्रतिष्ठान से ब्लैक लिस्टेड या किसी कोर्ट से दोषी करार नहीं होना चाहिए। उसे 36 रुपए किलो की दर से चावल, 77 रुपए किलो चना और 96 रुपए प्रति किला सोयाबड़ी मध्यम की दर से आपूर्ति करनी होगी। इसमें जीएसटी भी शामिल होगा। निविदा दाता को दो हजार रुपए का बैंक ड्राफ्ट लगाना होगा जो वापस नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय का प्रशिक्षण शिविर शुरू

जमशेदपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से आगामी घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण एवं राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण को लेकर चार दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सम्रकृषि सेवा भवन रांची में किया गया है। यह शिविर 27 जून तक चलेगा। उप महानिदेशक डॉ. विनीत कुमार ने बताया कि डीटीईएस का उद्देश्य घरेलू पर्यटन पर व्यय की जानकारी एकत्र करना है, जबकि एनएचटीएस भारत में लोगों की यात्रा प्रवृत्तियों को समझने पर केंद्रित होगा।

मिड-डे मील के 50 क्विंटल चावल की कालाबाजारी का भंडाफोड़

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इशाकपुर शैतानखाना गांव में एक बड़ा मामला सामने आया है। गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने परिवहन अभिकर्ता के घर से मिड-डे मील का लगभग 50 क्विंटल चावल जब्त किया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा के अनुसार, अभिकर्ता अबुल कासिम के घर के सामने एक ट्रैक्टर में 100 बोरा चावल मिला। यह चावल पाकुड़ के अनाज गोदाम से तीन विद्यालयों के लिए आवंटित किया गया था। पूछताछ में अभिकर्ता ने बताया कि एक विद्यालय में अनाज पहुंचा दिया गया था। शेष दो विद्यालयों का अनाज रात होने के कारण उसने अपने घर के सामने रख दिया। हालांकि, इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई। जांच में अभिकर्ता के घर से 5 बोरा चावल, 37 खाली बोरे और एफसीआई का टैग भी बरामद हुआ है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने कालाबाजारी की आशंका जताई है। मुफस्सिल थाना प्रभारी संजीव झा ने बताया कि जब्त किए गए चावल को थाना लाया गया है।

पाकुड़ में विस्फोटक बरामद : मालपहाड़ी में 1148 जिलेटिन जब्त

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के मालपहाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल के दो व्यक्ति विस्फोटक सामग्री ला रहे हैं। सूचना के अनुसार, पश्चिम बंगाल के संतोषपुर निवासी नबीरुल शेख और वीरभूम जिले के राजग्राम निवासी गुधा शेख, आसनसोल के इमरान शेख से विस्फोटक खरीद कर ला रहे थे। वे इसे गोपालपुर-बिशनपुर गांव होते हुए मालपहाड़ी पत्थर औद्योगिक क्षेत्र में लाने वाले थे। थाना प्रभारी अंशु उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस ने रास्ते में घेराबंदी की। जांच के दौरान दो संदिग्ध विस्फोटक छोड़कर भाग निकले।

बाबूलाल मरांडी ने सुनाई आपातकाल की कहानी, कहा- संविधान को खत्म करने वाली थी कांग्रेस

गिरिडीह, एजेंसी। कांग्रेस ने आपातकाल लगाया था। इंदिरा गांधी की सरकार के द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष हो चुके हैं। इस मौके पर भाजपा द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। गिरिडीह के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सेमिनार आयोजित हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आपातकाल की कहानी बताई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बताया कि किस तरह अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा था, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला, जिसमें इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध ठहरा दिया गया। साथ ही जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देशभर में सरकार विरोधी आंदोलन भी तेज हो गया था। इन परिस्थितियों से बचने और सत्ता पर बने रहने के लिए इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल घोषित किया था। यह आपातकाल संविधान के अनुच्छेद-352 के अंतर्गत लगाया गया था। जिसमें उन्होंने आंतरिक अशांति का हवाला दिया था। यह आपातकाल 21 महीने मार्च 1977 तक चला। इस दौरान सरकार द्वारा मौलिक अधिकारों को समाप्त कर दिया था। हजारों राजनेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया था। प्रेस और मीडिया पर सेंसरशिप लागू कर दी गई। आम जनता की आवाज को दबा दिया गया और सरकार के विरोध को देशद्रोह कहा जाने लगा था।

कांग्रेस की नीति-नीयत पर सवाल बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान के साथ खिलवाड़ किया, आज उनके नेता राहुल गांधी संविधान खतरे में हैं जैसी बात कहते हैं। जबकि सच्चाई है कि मोदी के शासनकाल में संविधान की रक्षा हुई है। कांग्रेस जब सत्ता में थी तो किसी भी राज्य की सरकार (जहां दूसरे दल की सत्ता थी) को बर्खास्त करने का काम करती रही। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में ऐसा नहीं हुआ।

जब मेला से भागने लगे लोग : सेमिनार में बाबूलाल मरांडी ने आपातकाल के दौरान का एक वाक्या बताया। उन्होंने कहा चैती दुर्गा का मेला देखने हम सब लोग गए थे, 1976 का वर्ष था, हमलोग चाय पी रहे थे, तभी मेला में पति-पत्नी के बीच कुछ हुआ तो शोर मच गया। पुलिस पहुंची और दंपती को ले गई। इसके बाद मेला में यह हल्ला हो गया कि पकड़-पकड़ कर लोगों को ऑपरेशन के लिए पुलिस ले जा रही है। इसके 10-15 मिनट में ही मेला में सन्नाटा हो गया कोई आदमी नहीं रहा। क्या भय का माहौल था, मौके पर हमलोग भी किनारे में सटक गए।

उस वक्त जबरन नसबंदी करवाई जा रही थी। उस वक्त तुगलकी फरमान था। उस वक्त इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी की सनक इस तरह थी। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि उस वक्त की कांग्रेस सरकार ने सत्ता की लालसा में पूरे देश को एक खुली जेल में बदल दिया था। जहां विरोध की हर आवाज को बेरहमी से कुचल दिया गया था।

सम्मानित हुए नेता : कार्यक्रम के दौरान उस समय के जनसंघ काल के कार्यकर्ताओं जो जेल में बंद थे, उनको बुलाकर सम्मानित किया गया। जिनमें जमुआ के पूर्व विधायक सुकर रविदास, गांडेय के पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार, गिरिडीह के पूर्व विधायक चंद्र मोहन प्रसाद, भाजपा नेता साहेब महतो, कैलाश साव समेत कई लोगों को बाबूलाल मरांडी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ये लोग थे मौजूद कार्यक्रम के दौरान जमुआ विधायक मंजू कुमारी, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, पूर्व विधायक जय प्रकाश वर्मा, जिला महामंत्री संदीप डैंगंच और महेंद्र वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक जी, बिनय शर्मा, प्रकाश सेठ, जिप अध्यक्ष मुनिया देवी, दिनेश यादव, नुनूलाल मरांडी, जिला उपाध्यक्ष श्याम प्रसाद, नवीन सिन्हा, उदय सिंह, जिला मंत्री शालिनी बैसिखयर, रंजीत राय, नगर अध्यक्ष हरमिंदर सिंह बग्गा, विवेक गुप्ता समेत भाजपा के कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपहरण मामले में लापरवाही पर हाईकोर्ट सख्त : 30 को एसएसपी रांची व तुपुदाना ओपी प्रभारी को पेश होने का आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने तुपुदाना थाना क्षेत्र में अपहरण के एक मामले में पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए रांची के एसएसपी और तुपुदाना ओपी प्रभारी को 30 जून को सुबह 10 : 30 बजे अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सूरजमणि उरांव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। मामले में याचिकाकर्ता ने बताया कि उनके बेटे का अपहरण हुआ था, हालांकि, बाद में पुलिस ने बच्चे को बरामद कर लिया, लेकिन इसके बाद याचिकाकर्ता पर कोई भी कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाया गया और एक लिखित पत्र भी लिया गया। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सूरज वर्मा ने दलील दी कि प्राथमिकी दर्ज नहीं करना संज्ञेय अपराध है और यह पुलिस की लापरवाही को दर्शाता है। इस पर नाराजगी जताते हुए न्यायालय ने पूछा कि जब संज्ञेय अपराध की सूचना मिली थी, तो प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्रार्थी को भविष्य में किसी प्रकार की धमकी मिलती है।

श्रावणी मेला 2025 की तैयारी शुरू : बिहार-झारखंड के अधिकारियों की बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर जोर

देवघर, एजेंसी। देवघर के सर्किट हाउस में श्रावणी मेला 2025 को लेकर मंगलवार को अंतरराज्यीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में झारखंड और बिहार के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी शामिल हुए। देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और संथाल परगना आयुक्त लाल सिंह चांडिल ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की। बिहार के मुंगेर, भागलपुर और बांका जिले के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे।

हर साल लाखों कांवरिया बाबाधाम में जलार्पण के लिए आते हैं। दोनों राज्यों के प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। जलार्पण मार्ग पर यातायात, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, साफ-सफाई और ठहरने की व्यवस्था को बेहतर बनाने पर सहमति बनी।

विशेष बलों की तैनाती की जाएगी

डीसी प्रियेश लकड़ा ने बताया कि देवघर प्रशासन मेले की तैयारी में जुटा है। आईजी चांडिल ने कहा कि विशेष बलों की तैनाती की जाएगी। सीसीटीवी निगरानी और महिला कांवरियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। बैठक में प्रशासनिक समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और कंट्रोल रूम की स्थापना पर भी चर्चा हुई। आपदा प्रबंधन टीमों को सक्रिय किया गया है। दोनों राज्यों के अधिकारियों ने श्रावणी मेला को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने का संकल्प लिया।

पलामू में दिनदहाड़े घर में चोरी, 30 लाख नकद और 14 लाख के जेवरात ले गए चोर

पलामू, एजेंसी। पलामू में शहर थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी रोड स्थित त्रिपाठी कॉलोनी बारालोटा में एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। चोरों ने दिन में घर का ताला तोड़कर 30 लाख रुपए नकद और 14 लाख 18 हजार रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी गोविंद मेहता के बच्चे ने दी। गोविंद मेहता सुबह 8 बजे अपने बच्चे को स्कूल छोड़कर नवाजयपुर थाना क्षेत्र के दीपउवा अपने गांव पत्नी को लेकर गए थे। दोपहर करीब 2 बजे जब बच्चा स्कूल से लौटा, तो उसने देखा कि घर की ग्रिल का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो कमरों के ताले भी टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। बक्सों में रखे नकदी, जेवरात और जरूरी कागजात गायब थे बच्चे ने तुरंत पिता को सूचित किया। मौके पर पहुंचे गोविंद मेहता ने पाया कि चोरों ने सभी कमरों के दरवाजे तोड़ दिए थे। बक्सों में रखे नकदी, जेवरात और जरूरी कागजात गायब थे। आसपास खोजबीन करने के बाद उन्होंने शाम को शहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोडरमा में फ्रिज का कंप्रेशर फटा; लगी भीषण आग, लाखों का सामान जला

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत अड्डी बांग्ला रोड के पास स्थित भदानी गली में गुरुवार अहले सुबह एक मकान में भीषण आग लग गई। यह आग मकान के निचले हिस्से में बने गोदाम में लगी थी, जिसमें रखे लाखों रुपए मूल्य के बिजली के तार, आइसक्रीम और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। समय पर दमकल के पहुंचने से आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

सुबह 6 बजे की घटना, धुएं के गंध से खुली नींद : घर के मालिक मुकेश गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वे अपने परिवार के साथ मकान के दूसरे मंजिल पर सोए हुए थे। सुबह करीब 6 बजे उन्हें जलने की तेज बू आई। जब वे कमरे से बाहर निकले तो देखा कि मकान के निचले हिस्से से धुआं तेजी से बाहर निकल रहा है। उन्होंने तत्काल अपने घर के अन्य सदस्यों को जगाया और सभी लोग भागकर नीचे आए। नीचे स्थित गोदाम में आइसक्रीम, बिजली के तार, रेफ्रिजरेटर और अन्य सामान रखा गया था। वहां से आग की लपटें उठ रही थीं। उन्होंने जैसे ही गोदाम का दरवाजा खोला, अंदर से आग की भीषण लपटें बाहर निकलने लगीं।

शोर मचाने पर जमा हुए आसपास के लोग : घटना की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने और परिवार के अन्य सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे

आसपास के लोग जाग गए और बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी और खुद भी बाल्टी और पाइप से आग बुझाने की कोशिश में लग गए। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। आग इतनी भीषण थी कि यदि समय रहते उस पर काबू नहीं पाया जाता तो यह आसपास के घरों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ी जनहानि हो सकती थी।

नगर प्रशासक और प्रबंधक मौके पर पहुंचे : घटना की सूचना मिलने पर झुमरीतिलैया नगर परिषद के प्रशासक अंकित गुप्ता, नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार और तिलैया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। वे हालात सामान्य होने तक वहीं मौजूद रहे और स्थिति की निगरानी करते रहे। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आग लगने की वजह गोदाम में रखे एक रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर का फटना हो सकता है। यह इलाका घनी आबादी वाला है, ऐसे में घटना ने स्थानीय लोगों को डरा दिया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

झारखंड में पीएम आवास योजना 2.0 की शुरुआत, कैसे करें आवेदन

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के 10 साल बुधवार को पूरे हो गए। इस उपलब्धि में राज्य के सभी नगर निकायों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। योजना की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक नैंसी सहाय ने सभी लाभार्थियों और नगर निकायों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में शहरी आवास विहीनों एवं वंचितों के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का शुभारंभ किया गया है। इसके तहत पात्र लाभुक अपने नगर निकाय अथवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन दस वर्षों में राज्य के नगर निकायों के हजारों शहरी बेघरों के पक्के आवास का सपना पूरा हुआ है। गरीब लाभुकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण के क्रियान्वयन में झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। 4498 आवासों का निर्माण कार्य पूरा बता दें कि पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत केंद्र

सरकार द्वारा चतुर्थ घटक लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) के तहत 1,78,309 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसमें से 1,31,232 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है वहीं, तृतीय घटक किफायती आवास परियोजनाओं (एएचपी) के तहत 32,701 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसमें से 4,498 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। नगर निकायों में कार्यक्रमों व गतिविधियों का आयोजन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस बयान में बताया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्य के सभी नगर निकायों में विभिन्न कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जैसे कि लाभार्थी सम्मेलन, लाभुकों के जीवन में आए बदलाव की स्टोरी, फोटोग्राफ्स एवं वीडियो का प्रचार-प्रसार, महिला लाभुकों का सम्मान, निर्मित आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश इत्यादि। सोशल ऑडिट करने वाले झारखंड देश का पहला राज्य घटक 4 बीएलसी के लाभुकों के आवासों पर राज्य की स्थानीय संस्कृति को चित्रकला के माध्यम से दर्शाया गया है। इसमें स्थानीय कलाकारों एवं स्थानीय कला का प्रचार-प्रसार हुआ है। पूरे देश में झारखंड के इस प्रयास को सराहा गया और कई राज्यों द्वारा इसका अनुसरण भी किया गया है। देशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) कराने वाला झारखंड पहला राज्य है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के आवासों के आवेदन महिलाओं के नाम से भरे जाते हैं।

अपहरण मामले में लापरवाही पर हाईकोर्ट सख्त : 30 को एसएसपी रांची व तुपुदाना ओपी प्रभारी को पेश होने का आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने तुपुदाना थाना क्षेत्र में अपहरण के एक मामले में पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए रांची के एसएसपी और तुपुदाना ओपी प्रभारी को 30 जून को सुबह 10 : 30 बजे अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सूरजमणि उरांव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। मामले में याचिकाकर्ता ने बताया कि उनके बेटे का अपहरण हुआ था, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। हालांकि, बाद में पुलिस ने बच्चे को बरामद कर लिया, लेकिन इसके बाद याचिकाकर्ता पर कोई भी कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाया गया और एक लिखित पत्र भी लिया गया। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सूरज वर्मा ने दलील दी कि प्राथमिकी दर्ज नहीं करना संज्ञेय अपराध है और यह पुलिस की लापरवाही को दर्शाता है।

वहीं पुलिस की ओर से यह कहा गया कि उन्होंने ही लड़के को बरामद किया, लेकिन यह नहीं बताया गया कि उन्होंने कार्रवाई की शुरुआत किस आधार पर की। इस पर नाराजगी जताते हुए न्यायालय ने पूछा कि जब संज्ञेय अपराध की सूचना मिली थी, तो प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्रार्थी को भविष्य में किसी प्रकार की धमकी मिलती है, तो संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, 25.20 लाख रुपए नगद बरामद

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध के मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना पर थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में टीम ने गायछन्द गांव में छापेमारी की। पुलिस ने प्रदीप कुमार मंडल (24) और रघुवीर कुमार मंडल (26) को गिरफ्तार किया। एसपी राजकुमार मेहता के अनुसार अपराधियों से 25.20 लाख रुपए नगद बरामद किए गए हैं। इनके पास से 10 मोबाइल फोन, 20 सिम कार्ड, 5 एटीएम कार्ड, एक चेकबुक, एक लैपटॉप और एक चारपहिया वाहन भी मिला है। यह रकम अब तक की सबसे बड़ी रिकवरी है। साइबर अपराधी नहीं सुधरे तो उनका नाम अब गुंडा सूची में डाला जाएगा और साइबर अपराधियों की प्रोफाइल बनाई जाएगी। प्रदीप साइबर अपराध के मामलों में पहले भी रह चुका है आरोपी पुलिस के अनुसार, ये अपराधी केवाईसी अपडेट के बहाने लोगों को ठगते थे। वे लोगों के मोबाइल पर एपीके फाइल भेजकर उनकी बैंक से जुड़ी जानकारी हासिल कर लेते थे। प्रदीप कुमार मंडल पहले भी साइबर अपराध के मामलों में आरोपी रह चुका है। इन अपराधियों का कार्यक्षेत्र पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और ओडिशा था। मामले

में जामताड़ा साइबर अपराध थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें।

गैस एजेंसियों से ग्राहकों के जबरन ट्रांसफर पर हाईकोर्ट की रोक, सुनवाई 29 जुलाई को

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने गैस एजेंसियों के ग्राहकों को बिना सहमति दूसरी एजेंसी में स्थानांतरित करने के फैसले पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह आदेश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने बुधवार को देवी गैस एजेंसी सहित 12 गैस वितरकों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और बीपीसीएल से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 29 जुलाई को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रूपेश सिंह ने अदालत को बताया कि गैस कंपनी इंडेन और बीपीसीएल ने 21 फरवरी 2025 को एकतरफा नोटिस जारी करते हुए कई एजेंसियों के ग्राहकों को अन्य एजेंसियों में ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है। कंपनियों का तर्क है कि जहां ग्राहकों की संख्या अधिक है, वहां से ग्राहकों को कमजोर और नई एजेंसियों में शिफ्ट किया जाएगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरे।

सुभाषितम्

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। - वाल्मीकि

पेगासस का भूत अमेरिका में जिन्दा

पेगासस जासूसी कांड का भूत एक बार फिर वैश्विक मंच अमेरिका में जिंदा होकर सामने आया है। इस बार अमेरिका की अदालत में पेगासस ने जो जानकारी दी है, उसमें भारत में 100 लोगों की जासूसी की जानकारी भी सामने आई है। जिसके कारण भारत भी कटघरे में खड़ा हो गया है। अमेरिका की कैलिफोर्निया स्थित फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहे व्हाट्सएप बनाम एनएसओ केस में जो दस्तावेज दाखिल किये गये हैं, उन्होंने भारत सहित 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी किए जाने की पुष्टि की गई है। इस सूची में भारत 100 लोगों की जासूसी के साथ दूसरे स्थान पर है। यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह कहकर जांच टलवा दी थी। यह ह्यराष्ट्रीय सुरक्षाह्न का मामला है। जबकि पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ स्पष्ट कर चुकी है, यह सॉफ्टवेयर केवल सरकारों को ही बेचा जाता है। जब सरकार खरीदता है, तो सरकार इसके लिए जिम्मेदार भी है। भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, सरकार ने जांच में कोई सहयोग नहीं दिया। जिसके कारण कमेटी कुछ उल्लेखनीय जांच नहीं कर पाई। अब सवाल यह है, जब अमेरिका की अदालत में सबूतों के साथ जासूसी की पुष्टि हो गई है, उसके बाद भी भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट चुप क्यों है? भारत सरकार को क्या यह स्वीकार नहीं करना चाहिए कि सरकार ने इसका उपयोग राष्ट्रीय हित के लिए किया है। वह कौन से राष्ट्रीय हित थे, यह भी सरकार को सुप्रीम कोर्ट में बताना चाहिए। सरकार ने सत्ता पर पकड़ मजबूत करने के लिए अपनी मशीनरी का इस्तेमाल विरोधियों, पत्रकारों, जजों और मंत्रियों तक की निगरानी के लिए किया है। यह स्पष्ट होना जरूरी हो गया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला जैसे नेताओं ने आज सवाल पूछा है। यह सॉफ्टवेयर खरीदा किसने है? किस विभाग के बजट से खरीदा गया है? किस एजेंसी ने निगरानी के लिए इसका इस्तेमाल किया? क्या सरकार अब भी जानकारी देने से बचेगी? लोकतंत्र की पारदर्शिता इसी में है। जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तक की निगरानी पेगासस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जाने के आरोप लग रहे हों तो ऐसी स्थिति में सरकार और संबंधित विभाग की जवाबदेही तय होना ही चाहिये। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश जिसमें लिखित नियम और कानून का अस्तित्व है यदि उस देश में जवाबदेही तय ना हो, तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की साख और अस्तित्व संकट में पड़ना तय है। भारत की संप्रभुता और नागरिकों के मौलिक और कानूनी अधिकारों को सत्ता में बैठे हुए लोगों की मनमानी और अपराधशी प्रक्रियाओं की भेंट चढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका की कोर्ट में जब एनएसओ ने दस्तावेजों के साथ यह स्वीकार कर लिया है कि उसने 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी की है, जिसमें भारत भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के पास सीलबंद रिपोर्ट मौजूद है। जो सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक नहीं खोली है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमेटी को सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी थी। इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है। वह इस मामले की पुनः सुनवाई शुरू करे। सील बंद लिफाफे को सार्वजनिक करे। सुप्रीम कोर्ट सभी पक्षों को सुनने के बाद इसमें अपना फैसला दे। इस जासूसी में सुप्रीम कोर्ट की भी जज शामिल किए गए थे। जिसके कारण यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यदि इस मामले की सुनवाई जल्द शुरू नहीं की तो इसका असर न्यायपालिका की साख पर भी पड़ना तय है। सरकार को भी जनता को सच बताने के लिए अब सामने आना चाहिए। राष्ट्रीय हित को साधने के लिए यदि यह जासूसी कराई गई थी तो सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी होगी। वरना पेगासस का भूत भारत की लोकतांत्रिक आत्मा को लंबे समय तक डराता और धमकाता रहेगा। जिसके कारण भारत आंतरिक और वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर होगा। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार आज भी यह कहती है, कि उसे सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल चुकी है। इस मामले में कहीं ना कहीं न्यायपालिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना जरूरी है।

चिंतन-मनन

आशा-निराशा

एक मछुआरा था। उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा, लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे-जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी। भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला। पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी। मछुआरे ने पोटली निकाला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है! फिर मन मारकर वह नाव में चढ़ा। बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ाता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था। सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नहीं जाता ....वहाँ बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है। मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था। पोटली खाली हो गयी। जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया। उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था, यह क्या! ये तो नीलम था। मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था. नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था। प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

जलवायु क्षेत्र में भारत की ग्यारह वर्षों की प्रगति

-भूपेंद्र यादव

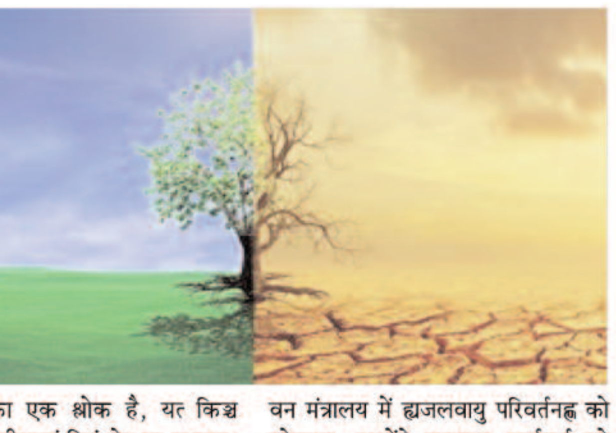

मानव द्वारा उत्पन्न जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 2011-20 के दशक में पृथ्वी का तापमान, पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साथ ही, विकसित देश वैश्विक कार्बन बजट में असंगत हिस्सेदारी रखने के बावजूद जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने के प्रति इच्छुक नहीं दिखाई देते। इस वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनःह्न के प्राचीन वैदिक सिद्धांत ने सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता का मार्गदर्शन किया है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व की चुनौती से जूझ रही है, तो जलवायु प्रबंधन के प्रति भारत की कालातीत वैदिक ज्ञान की प्रतिध्वनि विश्व को मार्ग दिखा रही है। एक ओर, वैश्विक समुदाय अक्सर जलवायु परिवर्तन से उपजी तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम पैटर्न और आपदाओं में वृद्धि जैसी ह्यअसुविधाजनक सच्चाइयोंह्न में उलझा हुआ है। दूसरी ओर, भारत ने ह्यसुविधाजनक कार्रवाईह्न के दर्शन को सामने रखा है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित इस दृष्टिकोण ने पिछले ग्यारह वर्षों में भारत को एक कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक जलवायु नागरिक में बदल दिया है।

अथर्ववेद का एक श्लोक है, यत किञ्च पृथियां पृथिवीमनुत्तं हितं चेद् तत तवायतु। पृथ्वी का जो कुछ भी हम खनन करते हैं, उसे जल्दी से भरने दें, हम पृथ्वी के प्राण-तत्वों पर आघात न करें और न ही उसके हृदय को क्षति पहुंचाएं। यह श्लोक आधुनिक जलवायु विज्ञान से हजारों साल पहले के पुनर्निर्माण पर आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सिद्धांतों को दर्शाता है। इस प्राचीन ज्ञान को जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित समकालीन नीतिगत ढाँचों में पिरोया गया है, जिससे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कार्रवाई का एक अनूठा तालमेल बना है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, 2014 में पदभार ग्रहण करने के कुछ सप्ताह के भीतर ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक सरल लेकिन दूरगामी प्रशासनिक निर्णय के माध्यम से अपनी जलवायु प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। पर्यावरण और वन मंत्रालय में ह्यजलवायु परिवर्तनह्न को जोड़कर, उन्होंने जलवायु कार्रवाई को क्षेत्र-संबंधी चिंता के सीमित दायरे से निकालकर शासन की प्राथमिकता में ला दिया। 2015 में जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष का निर्माण इस प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है, जिसके द्वारा राज्यों को जलवायु संकट से निपटने से संबंधित संसाधन प्रदान किए जाते हैं। कई राज्य सरकारों ने अपने स्वयं के जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित करके इस कदम का समर्थन किया, जिससे जलवायु कार्रवाई की एक संघीय व्यवस्था तैयार हुई। 2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप-21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह देश की घरेलू अनिवार्यताओं और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों द्वारा निर्देशित वैश्विक समुदाय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रकटीकरण था। पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के समय यानी 2015 में ही एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का गठन हुआ, जो लगातार मजबूत होता गया और आज 120 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। इस गठबंधन ने सौर ऊर्जा संपन्न देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर सहयोग करने हेतु एक मंच तैयार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) को दिए गए प्रोत्साहन से, इसकी स्थापित क्षमता 2014 के मात्र 76 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 220 गीगावाट हो गई है और 2030 तक इसके 500 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत की बात करने तो हम आरई में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में तीसरे स्थान पर हैं। एक दशक में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। सरकार द्वारा अपनी कई योजनाओं के माध्यम से परिवर्तनकारी जलवायु कार्रवाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को गति प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (2016) से लाखों महिलाओं को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन मिला, जो दर्शाता है कि जलवायु कार्रवाई का सामाजिक न्याय के साथ तालमेल कैसे बिठाना चाहिए। पीएम-कुसुम योजना (2019) ने किसानों को सौर ऊर्जा समाधानों के जरिये सशक्त बनाया, वहीं रूफटॉप सौर कार्यक्रम से पूरे देश में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में तेजी आयी है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर, 2019 को न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) की घोषणा की, जिसकी औपचारिक शुरूआत 28 अगस्त, 2019 को हुई थी। इससे आपदा-रोधी अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने में एक वैश्विक साझेदारी का निर्माण हुआ। स्वीडन के साथ साझेदारी में लीडआईटी (उद्योग में बदलाव के लिए नेतृत्व समूह) बनाया गया, जो जलवायु लक्ष्यों के लिए औद्योगिक बदलाव के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सौर विनिर्माण (2020) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से घरेलू सौर विनिर्माण क्षमता मजबूत हुई, आयात पर निर्भरता कम हुई और एक मजबूत स्वदेशी सौर इकोसिस्टम का निर्माण हुआ। 2021 में ग्लासगो में आयोजित कॉप 26 में भारत ने देश के जलवायु परिदृश्य को और मजबूत करते हुए ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने वक्तव्य में भारत के महत्वाकांक्षी अभियान पंचामृत की घोषणा की गई।

भारतीय विजन 2047 के विकास पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की मांग

-किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सकें।भारत ने भी अपना विजन 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। वित्तमंत्री ने 2024 के लिए संस्कृत क्षेत्र के लिए 326.93 करोड़, पुरातत्व सर्वेक्षण क्षेत्र के लिए 1273.91 करोड़, पुस्तकालय एवं अभिलेखागार के लिए 188.21 करोड़ व संग्रहालय के लिए 123.72 करोड़ व पर्यटन के लिए 2479.62 करोड रुपए आवंटित किए हैं जो रेखांकित करने वाली बात है। बता दें 21-31 जुलाई 2024 तक 16 वां विश्व धरोहर समिति सत्र 2024 शुरू है, जो भारत में पहली बार हो रहा है, जिसमें 150 देशों से अधिक के 2000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं हालांकि हम विकास पथपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं परंतु हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है जिसकी जानकारी सरकार ने 25 जुलाई 2024 को केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी थी,जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय विजन 2047 के पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की है, व युवाओं को भारतीय संस्कृति, विरासत, पांडुलिपि कला प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंतजरूरी है। साथियों बात अगर हम केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा मेरा गांव मेरी धरोहर योजना की करें तो,कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता योजना का विवरण और योजना के लिए आवंटित धन का विवरणइस योजना में निम्नलिखित उप-घटक हैं वे,(1) राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता इस योजना घटक का उद्देश्य पूरे देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को बढ़ावा देना और समर्थन करना है। यह अनुदान ऐसे संगठनों को दिया जाता है जिनके पास उचित रूप से गठित प्रबंध निकाय है, जो भारत में पंजीकृत है; इसके संचालन में राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ अखिल भारतीय चरित्र होना; पर्याप्त कार्य शक्ति; और पिछले 5 वर्षों में से 3 वर्षों के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों पर 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक खर्च किये हैं। इस योजना के अंतर्गत अनुदान की मात्रा 1.00 करोड़ रुपये है जिसे असाधारण मामलों में 5.00 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है।(2) सांस्कृतिक समारोह एवंउत्पादन अनुदान इसयोजना घटक का उद्देश्य संगोष्ठी, सम्मेलन अनुसंधान कार्यशालाओं त्यौहारों प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, नृत्य, नाटक थिएटर, संगीत आदि के उत्पादन के लिए गैर सरकारी संगठनोंसोसाइटियों/ट्रस्टों/विश्वविद्यालयों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत एक संगठन के लिए अनुदान 5 लाख रुपये है जिसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जा सकता है। असाधारण मामलों में 20.00 लाख रुपये हो सकता है।(3) हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य ऑडियो विजुअल कार्यक्रमों के माध्यम सेअनुसंधान प्रशिक्षण और प्रसार के माध्यम से हिमालय की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राज्यों यानी जम्मू और कश्मीर,हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।4)बौद्ध तिब्बती संगठन के संरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता इस योजना के अंतर्गत बौद्ध/तिब्बती सांस्कृतिक और परंपरा के प्रचार-प्रसार और वैज्ञानिक विकास और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान में लगे मठों सहित स्वैच्छिक बौद्ध/तिब्बती संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना घटक के अंतर्गत वित्त पोषण की मात्रा एक संगठन के लिए प्रति वर्ष 30.00 लाख है, जिसे असाधारण मामलों में 1.00 करोड़ तक बढ़ाया जा सकता है।(5) स्टूडियो थिएटर सहित भवन निर्माण अनुदान के लिए वित्तीय सहायता इसयोजना घटक का उद्देश्य एनजीओ, ट्रस्ट, सोसायटी, सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना घटक के तहत सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे (यानी स्टूडियो थिएटर, ऑडिटोरियम, रिहर्सल हॉल, कक्षा आदि) के निर्माण और बिजली, एयर कंडीशनिंग, ध्वनिकी, प्रकाश और ध्वनि प्रणाली आदि जैसी सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्रायोजित निकाय, विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि। अनुदान की अधिकतम राशि मेट्रो शहरों में 50 लाख रुपये तक और गैर-मेट्रो शहरों में 25 लाख रुपये तक है। (6)संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य नियमित आधार पर और खुले/बंद क्षेत्रों/स्थानों में त्योहारों के दौरान सजीव प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिए संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए ऑडियो-विजुअल तमाशा को बढ़ाने के लिए संपत्ति के निर्माण के लिए सभी पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। (7) अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए योजनाःयह योजना 2013 में संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों, समूहों, गैर सरकारी संगठनों आदि को पुनर्जीवित करने और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी ताकि वे गतिविधियों/परियोजनाओं में संलग्न हो सकें। भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना, सुरक्षा करना, संरक्षित करना और बढ़ावा देना।

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावट एक चिंताजनक संकेत

-प्रियंका सौरभ

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पदार्फाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है–आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20झ30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है, जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ–जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी–अब भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है।

आज का राशिफल

मेष – दिन करियर के लिहाज से अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों की सराहना मिल सकती है।

वृषभ – नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यस्थल पर दबाव बढ़ेगा, योजनात्मक सोच आपको मुश्किलों से निकाल लेगी।

मिथुन – आज भाग्य साथ दे रहा है। धन संबंधित मामलों में दिन संतुलन बनाए रखने का है।

कर्क – आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल है। पुराना अटका हुआ भुगतान वापस मिलने की संभावना है।

सिंह – आज दिन संभलकर काम करने है। आपकी किस्मत से आपके हाथ कोई बड़ी सफलता लग सकती है।

कन्या – एकदम सामान्य रहेगा। आपको धन और करियर से जुड़े मामलों में संतुलन बनाने की जरूरत है।

तुला – किस्मत साथ दे रही है। धन के मामले में दिन भाग्यशाली है। अटका हुआ पैसा मिल सकता है।

वृश्चिक – दिन आर्थिक दृष्टि से बहुत मजबूत रहेगा। लोग अपने कार्य से बॉस को प्रभावित करेंगे।

धनु – आज लाभ के योग हैं। धन और संपत्ति संबंधी मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है।

मकर – व्यापार में अचानक लाभ की संभावना है। बदलाव का विचार चल रहा है तो निर्णय ले सकते हैं।

कुंभ – धनागमन के साथ खर्च भी बढ़ सकता है। विशेष रूप से स्वास्थ्य या यात्रा पर खर्च संभव है।

मीन – नया व्यापार आरंभ करने के लिए समय शुभ है। नौकरी में आपके विचारों को महत्व मिलेगा।

विशेष

सीज फायर के बाद बमबारी?

इजराइल के बारे में कहा जाता है, उसने अभी तक 78 सीज फायर किए हैं। लेकिन सीज फायर करने के कुछ ही समय के बाद वह फिर से पहले से बड़ा हमला कर देता है। जिसके कारण इजरायल के दुश्मन देश को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फिलिस्तीन हमास एवं अन्य देशों के साथ सीज फायर के बाद हमले करने का रिकॉर्ड इजराइल ने बनाया है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और इजरायल के बीच में सीजफायर कराया है। यह भी ज्यादा समय तक टिका नहीं। एक दूसरे के हमले शुरू हो गए भारत और पाकिस्तान के बीच ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जो सीज फायर कराया है। वह अभी तक कायम है।

केंद्र सरकार ने राज्यों का हिस्सा 41 से घटाकर 31 फीसदी किया

केंद्रीय सरकार ने 14वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर राज्यों का हिस्सा 31 से बढाकर 41 किया था। जीएसटी का राजस्व 2022 तक गारंटी से 15 फीसदी बढाकर देने का अनुबंध हुआ था। 2022 के बाद से राज्यों की हालत बड़ी खस्ता हो गई है। जीएसटी का राज्यों को अब कोई मुआवजा नहीं मिलता है। केंद्र सरकार सेसऔर सरचार्ज कई वस्तुओं में लगाकर अरबो रुपए वसूल कर रही है। राज्यों को इसकी हिस्सेदारी नहीं दी जा रही है। कोरोना महामारी के बाद से केंद्र सरकार ने अपने हाथ खींच लिए। अब राज्यों को बामुश्किल 31 फीसदी हिस्सेदारी केंद्र से मिल पा रही है। केंद्र सरकार ने कई योजनाओं की सहायता बंद कर दी है।

कार्टून कोना

एक ही जाति के लोग कथावाचक क्यों होते हैं: तेजस्वी यादव

आज का इतिहास

1797 फ्रांस ने यूनान के इयोनियम द्वीप पर कब्जा कर लिया. 1838 बंकिमचंद चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ. 1839 पंजाब के राजा रणजीत सिंह का निधन. 1881 न्यूजीलैंड के आव्रजन कानून में जापानियों के आवागमन पर रोक लगायी गयी. 1942 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश सैनिक उत्तर अफ्रीका में पीछे हटे. 1942 जर्मन सैनिकों ने खाकोव क्षेत्र में सोवियत फौजों पर जवाबी हमले किए. 1950 उत्तर कोरिया ने सोल पर कब्जा कर लिया. 1956 पोलैंड में श्रमिकों के दंगे में अनेक लोग हताहत हुए. 1986 पश्चिम यूरोपीय देशों के नेताओं ने नीदरलैंड्स बैठक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला ठंडे बस्ते में डाल दिया. 1991 यूगोस्लाविया सेना ने संघर्ष विराम की घोषणा की जिससे स्लोवनिया उससे अलग नहीं हो.

दैनिक पंचांग

28 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.40 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	08.57 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.09 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.34 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.50 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.55 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.42 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.14 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मेष	00.45 बजे से
		वृष	02.25 बजे से
		मिथुन	04.23 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 179 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 09.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 06.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 19.15 बजे को समाप्त।
करण गर 09.55 बजे तदनन्तर वणिज 21.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872389
जूलियन दिन 2460854.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

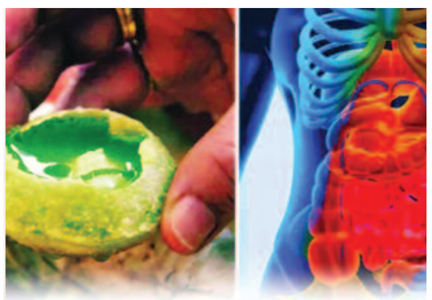

रोज खाई जाने वाले 5 चीजें भी बना देंगी कैंसर का मरीज

पानी पूरी या गोलगप्पा खाना भला किसे पसंद नहीं है। लेकिन आपको जानकर ताज्जुब होगा कि गोलगप्पा कैंसर पैदा करने वाले तत्व पाए गए हैं।

कैंसर का मरीज बना सकती है पानीपूरी खाने-पीने की चीजों पर नजर रखने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था ने पाया कि राज्य के 260 पानी पूरी के सैंपल में से 22% सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहे। FSSA ने 79 स्थानों पर जांच की, जिनमें से 49 बेंगलुरु में थे। जांच में पाया गया कि 260 सैंपल में से 41 में आर्टिफिशियल कलर और संभावित रूप से कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए, जो उन्हें खाने के लिए असुरक्षित बनाते हैं। 18 अन्य सैम्पल भी खराब गुणवत्ता के पाए गए। गोलगप्पे में पाए गए हानिकारक रसायन गोलगप्पे में चटख नीला (ब्रिलियंट ब्लू), सूर्यास्त पीला (सनसेट यलो) और टार्टराज़ीन जैसे कई हानिकारक रसायन पाए गए हैं।

गंभीर बीमारियों का खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि इन पदार्थों का ज्यादा सेवन करने से पेट दर्द, हार्ट डिजीज और इम्यून सिस्टम कमजोर होना जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

पाचन बिगाड़ सकता है चटख नीला या ब्रिलियंट ब्लू

यह एक आर्टिफिशियल कलर है जिसका इस्तेमाल अक्सर खाने और कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। ज्यादा मात्रा में खाने से त्वचा में एलर्जी, पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

सूर्यास्त पीला (सनसेट यलो) के खतरे

यह भी एक आर्टिफिशियल कलर है जिससे त्वचा पर लाल चकत्ते और खुजली जैसी एलर्जी हो सकती है। इससे पेट की तकलीफ भी हो सकती है। सरकारी संस्थाएं इसके इस्तेमाल में सावधानी बरतने की सलाह देती हैं।

टार्टराज़ीन के खतरे

यह पेट्रोलियम उत्पादों से बना एक आर्टिफिशियल कलर है जिसका इस्तेमाल खाने और पीने के पदार्थों को आकर्षक दिखाने के लिए किया जाता है। इससे एलर्जी, दमा और त्वचा पर रैशेज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे भविष्य में कैंसर हो सकता है।

इन चीजों को खाने से हो सकता है कैंसर

प्रोसेस्ड फूड्स, रेड मीट, फ्राइड फूड्स, शुगरी बेवरेज, शराब, रिफाइंड फूड्स, साल्टेड फूड्स आदि के अधिक सेवन से भी कैंसर हो सकता है क्योंकि इनमें कैंसर वाले तत्व पाए जाते हैं।

स्पार्कलिंग वॉटर को कार्बन डाइऑक्साइड गैस को पानी में प्रेशर के साथ इंजेक्ट करके बनाया जाता है। इससे एक बबली ड्रिंक बनती है, जिसे स्पार्कलिंग वॉटर कहते हैं। कई सारे सेलिब्रिटीज इसे पीना पसंद करते हैं।

क्या होता है स्पार्कलिंग वॉटर और क्या हैं इसके फायदे, नुकसान

पानी पीना हमारे डेली रूटीन का जरूरी हिस्सा है। हम सभी इसके फायदों से परिचित हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों में स्पार्कलिंग वॉटर का ट्रेंड सेलिब्रिटीज के बीच काफी बढ़ गया है। अलग- अलग फ्लेवर में आने के कारण लोग इसका स्वाद बेहद पसंद कर रहे हैं। इस तरह का बुलबुले वाला पानी आपने होटल्स में भी जरूर देखा होगा। खासतौर से जो लोग सोडा की लत छोड़ना चाहते हैं, उनके लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। तो आइए जानते हैं आखिर क्या होता है ये स्पार्कलिंग वॉटर और क्या हैं इसके फायदे, नुकसान।

क्या होता है स्पार्कलिंग वॉटर

स्पार्कलिंग वॉटर को कार्बोनेटेड वॉटर भी कहा जाता है। आम भाषा में इसे बुलबुले वाला पानी भी कहते हैं। इस पानी में कार्बनडाइ ऑक्साइड मिलाया जाता है। दरअसल, कार्बनडाइ ऑक्साइड गैस को पानी में प्रेशर से इंजेक्ट किया जाता है, जिस कारण पानी में बुलबुले उठने लगते हैं। इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए नमक भी मिलाया जाता है। स्पार्कलिंग वॉटर में पोटेशियम बाइकार्बोनेट, सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम साइट्रेट जैसे मिनरल्स भी मिलाए जाते हैं।

स्पार्कलिंग वॉटर के फायदे

- यह पानी प्यास बुझाने के लिए आर्टिफिशियल ड्रिंक से ज्यादा बेहतर है।
- अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन के अनुसार, स्पार्कलिंग वॉटर दांतों के लिए अच्छा है।
- नॉन फ्लेवर्ड स्पार्कलिंग वॉटर आपको हाइड्रेट रखने में मदद करता है।
- स्पार्कलिंग वॉटर पीकर आप वजन कम कर सकते हैं।
- अगर आप सोडा का सेवन कम करना चाहते हैं, तो स्पार्कलिंग वॉटर अच्छा विकल्प है।
- इसे पीने के बाद पेट भरा हुआ महसूस होता है।

स्पार्कलिंग वॉटर के नुकसान

- इस पानी में एसिड की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपके इनेमल को नुकसान पहुंच सकता है।
- किसी भी तरह के फिजी ड्रिंक पीने के बाद सूजन और गैस बन सकती हैं।
- कुछ तरह के स्पार्कलिंग वॉटर में आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेहत के लिए अच्छे नहीं होते।
- फ्लेवर्ड स्पार्कलिंग वॉटर में सोडियम बहुत होता है, जो लोगों में हाइपरटेंशन का कारण बन सकता है।

कैसे चुनें सही स्पार्कलिंग वॉटर

मार्केट से स्पार्कलिंग वॉटर खरीदते समय ध्यान रखें कि इसमें चीनी और कैलोरी की मात्रा कम होनी चाहिए। इसके अलावा आप जो स्पार्कलिंग वॉटर खरीद रहे हैं, उसमें हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, सोडियम, आर्टिफिशियल फ्लेवर, एस्पार्टेम और सुक्रालोज जैसे आर्टिफिशियल स्वीटनर न हों।

किन लोगों को नहीं पीना चाहिए स्पार्कलिंग वॉटर

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर हाई रहता है या जो सूजन के प्रति संवेदनशील हैं, उन्हें स्पार्कलिंग वॉटर नहीं पीना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इशू हैं, उन्हें कार्बोनेटेड वॉटर का सेवन करने की मनाही होती है।

स्पार्कलिंग वॉटर पीना सेफ है या नहीं

कई लोग बिना जानकारी के स्पार्कलिंग वॉटर पीना शुरू कर देते हैं, लेकिन वो नहीं जानते कि इसे पीना सेफ है भी या नहीं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि स्पार्कलिंग वॉटर सादा पानी पीने के बराबर है। अगर आप नॉन फ्लेवर्ड स्पार्कलिंग वॉटर पी रहे हैं, तो बता दें कि इसमें शुगर और कैलोरी नहीं होती। ऐसे में इस पानी को पीना पूरी तरह से सेफ है।

हाई कोलेस्ट्रॉल से हैं परेशान तो खाना शुरू कर दीजिए ये 5 सब्जियां

हेल्दी हार्ट के लिए हेल्दी डाइट लेना जरूरी है। अगर आप चाहते है कि भविष्य में आप हार्ट के मरीज न बनें, तो इसके लिए आपको अपना कोलेस्ट्रॉल मेंटेन रखना भी बहुत जरूरी है। जिन लोगों का हाई कोलेस्ट्रॉल है, उन्हें अपनी डाइट में खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि ऐसे मरीजों में अटैक का खतरा बढ़ जाता है। बढ़े हुए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए कुछ सब्जियों का सेवन बहुत लाभकारी हो सकता है।

ये सब्जियां न केवल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करती हैं, बल्कि हृदय रोग के खतरे को भी कम करती हैं। यहां जानते हैं कुछ ऐसी ही सब्जियों के बारे में, जो आपके हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करेंगी।

बैंगन

बैंगन में फाइबर और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बेड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। इसका सेवन पाचन स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है और यह कब्ज की समस्या में भी राहत देता है।

ब्रोकली

हार्ट के लिए ब्रोकली एक सुपरफूड है। ब्रोकली में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, जिससे ब्लॉकेज का खतरा भी कम होता है।

लहसुन

लहसुन में एलिसिन नामक पावरफुल गुण पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल कम करने में मददगार है। इसका सेवन ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल में रखता है।

पालक

पालक में ल्यूटिन, फाइबर और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद हाई एंटीऑक्सीडेंट आर्टीज में प्लाक जमने से रोकते हैं जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।

अन्य सब्जियां

अधिक फाइबर युक्त सब्जियां, जैसे कि गाजर, टमाटर और ककड़ी में भी कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

बरसात के मौसम में भूलकर के भी न खाएं ये चीजें

बदलते मौसम के साथ हमारा खानपान भी बदल जाता है। जैसा कि मानसून आ गया है और बरसात के इस मौसम में कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। बरसात के दौरान इंफेक्शन का खतरा अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण बैक्टीरिया, वायरस और फंगल इंफेक्शन के पनपने का खतरा तेजी से बढ़ जाता है।

बरसात के मौसम में कुछ चीजें खाने से बचना चाहिए, नहीं तो आप इंफेक्शन के चपेट में आ सकते हैं और पाचन संबंधी कई दिक्कतें भी हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में कुछ सब्जियों, फलों और फूड के सेवन से बचना चाहिए। इसके अलावा कोशिश करें कि मौसम में तो खासतौर पर बहार का कुछ न खाएं। इन सभी बातों का ध्यान रखकर बरसात के मौसम में अपनी सेहत का ख्याल रखा जा सकता है। यहां कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताया गया है, जिसे मानसून में खाने बचना चाहिए।

फ्राइड फूड

बरसात के मौसम में नमी अधिक होती है, जिसके फ्राइड फूड हुए खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में वॉक या कई फिजिकल एक्टिविटी भी कम हो जाती है, जिसके कारण पेट में एसिडिटी और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

बरसात के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां में बैक्टीरिया के पनपने का खतरा बढ़ जाता है। इन सब्जियों को अच्छी तरह से धोकर, पकाने के बाद भी कई बार बैक्टीरिया रह जाते हैं और जिसके कारण पेट का इंफेक्शन हो सकता है।

दूध और दूध से बने प्रोडक्ट

बरसात के मौसम में दूध से बनी चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। जिसके कारण फूड पॉइजनिंग का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए दूध और दूध से बने उत्पादों से इस मौसम में दूर रहना चाहिए। बरसात के दौरान दही भी खाने से बचें।

सीफूड

बरसात के मौसम में सी फूड खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि इस मौसम में समुद्री जीवों में बैक्टीरिया और वायरस के फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है।

कटे हुए फल

बरसात के मौसम में ज्यादा देर के कटे हुए फल बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। क्योंकि कटे हुए फल में भी बैक्टीरिया पनप सकते हैं और फल जल्दी खराब हो जाते हैं, ऐसे में कटे हुए फल खाने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत नए रोल में

कनाडाई अरबपति की कंपनी में बने वरिष्ठ सलाहकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडाई अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि उसने नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया है। फेयरफैक्स ने एक बयान में कहा कि पूर्व जी-20 शेरपा कांत की आर्थिक विकास, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। बयान के अनुसार, चूंकि भारत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पर काम कर रहा है, फेयरफैक्स को उम्मीद है कि इसके और इसके सहयोगियों, जिसमें फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग्स कॉरपोरेशन (फेयरफैक्स इंडिया) भी शामिल है, के लिए विकसित भारत पहल में भाग लेने और लाभ उठाने के कई अवसर होंगे, जिसका उद्देश्य भारत को 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था से 30

ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था में बदलने में मदद करना है। फेयरफैक्स के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रेम वत्स ने कहा, हम अमिताभ का हमारे फेयरफैक्स परिवार में स्वागत करते हुए वास्तव में उत्साहित हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान कांत एक प्रमुख व्यक्ति थे, जिसकी परिणति ऐतिहासिक नई दिल्ली लीडर्स घोषणापत्र में हुई। कंपनी ने कहा कि नीति आयोग के सीईओ के रूप में, वे आकांक्षी जिला कार्यक्रम के पीछे एक प्रेरक शक्ति थे, जिसने भारत के कुछ सबसे वंचित क्षेत्रों में बदलाव किया।
कंपनी ने कहा कि उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव के रूप में उनके कार्यकाल में मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया अभियान सहित महत्वपूर्ण सुधार हुए, जिससे कारोबार सुगमता रैंकिंग में 79 स्थानों का उल्लेखनीय सुधार हुआ।

भारत ने पंजाब से यूएई और कतर को लीची का निर्यात किया

एपीईडीए ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की शाखा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया है। भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीईडीए ने 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए 1 टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए 0.5 टन इसी फल की खेप को रवाना करने में सहायता की है। यह

पहल प्राधिकरण द्वारा पंजाब के बागवानी विभाग और लुल्लू ग्रुप के सहयोग से की गई। 2023-24 के दौरान, पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन होगा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा होगा। उसी वर्ष भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया गया। सरकार फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। 2024-25 में ये निर्यात साल-दर-साल 5.67 प्रतिशत बढ़कर 3.87 अरब डॉलर हो गया।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनी

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते का संकेत दिया। यह बात दोनों देशों के अधिकारियों की टीम की ओर से व्यापार समझौते पर चार दिवसीय बंद बातचीत के कुछ सप्ताह बाद कही गई। यह बातचीत बंद कमरे में की गई थी। व्हाइट हाउस में बिग ब्यूटीफुल इवेंट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनका बहुत बड़ा सौदा होने जा रहा है।

ट्रंप ने कहा, हर कोई सौदा करना चाहता है। उसका हिस्सा बनना चाहता है। याद कीजिए कुछ महीने पहले मीडिया कह रही थी कि क्या वाकई कोई ऐसा है, जिसकी कोई दिलचस्पी हो खैर, हमने कल ही चीन के साथ समझौता किया है। हम कुछ बेहतरीन सौदे कर रहे हैं।

हम एक और सौदा करने वाले हैं, शायद भारत के साथ। बहुत बड़ा सौदा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका हर दूसरे देश के साथ व्यापार समझौते नहीं करेगा। उन्होंने कहा, हम हर किसी के साथ सौदे नहीं करने जा रहे हैं। कुछ लोगों को हम बस एक पत्र भेजकर बहुत-बहुत धन्यवाद कहेंगे। आपको 25, 35, 45 प्रतिशत का भुगतान करना है। यह ऐसा करने का आसान तरीका है। मेरे लोग इसे इस तरह से नहीं करना चाहते।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मकसद

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि मेगा व्यापार सौदे पर चार दिवसीय वार्ता में कथित तौर पर दोनों देशों में औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और गैर-टैरिफ अड़चनों पर मुख्य रूप से फोकस किया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों ने किया था, जबकि व्यापार मंत्रालय के वार्ताकारों की भारतीय टीम का नेतृत्व राजेश अग्रवाल (वाणिज्य एवं उद्योग सचिव) ने किया था।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते को समझिए

कथित तौर पर समझौते के लिए बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फरवरी 2025 में मिले, हमारे दोनों नेताओं ने एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते में प्रवेश करने का फैसला किया है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं, दोनों पक्षों के व्यवसायों और दोनों देशों के लोगों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा।

टैक्सपेयर के साथ नरमी बरतें आयकर अधिकारी, सीबीडीटी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने देशभर में आयकर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे करदाताओं के रिटर्न की जांच और मूल्यांकन के लिए नोटिस जारी करते समय उचित सोच सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, सीबीडीटी ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी प्रश्न प्रासंगिक और विशिष्ट होने चाहिए। प्रत्यक्ष कर प्रशासन के लिए नीति-निर्माण निकाय ने विभाग के सभी क्षेत्र प्रमुखों (पीसीसीआईटी या आयकर के प्रधान मुख्य आयुक्त) से भी कहा है कि वे अपने मूल्यांकन अधिकारियों पर प्रभावी निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा करदाताओं को भेजे गए प्रश्न उचित हों।

क्या है सीबीडीटी के पत्र में

सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल के कार्यालय द्वारा पीसीसीआईटी को भेजे गए पत्र में निर्देश दिया गया है कि एफएओ (फेसलेस असेसिंग ऑफिसर) द्वारा करदाताओं को भेजे जाने वाले प्रश्न संबंधित मामले की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुसार प्रासंगिक, विशिष्ट और आधारित होने चाहिए। पत्र में कहा गया है कि मूल्यांकन इकाई प्रमुख (आयकर के अतिरिक्त या संयुक्त आयुक्त) ऐसे नोटिस और मूल्यांकन आदेश की गुणवत्ता के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

हीरा उद्योग में गिरावट की आशंका

कमजोर मांग, एलजीडी चुनौती और अमेरिकी टैरिफ का पड़ सकता है असर

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर वैश्विक मांग, लैब-ग्रोन डायमंड (एलजीडी) से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अमेरिका टैरिफ के कारण भारतीय हीरा उद्योग को दोहरे दबाव का सामना करना पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ही हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कट और पॉलिश हीरे (सीपीडी) के निर्यात में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025 में यह गिरावट 17 प्रतिशत रही थी। तब से ही इस क्षेत्र का दृष्टिकोण नकारात्मक बना हुआ है।

सीपीडी निर्यात 20 साल के निचले स्तर पर पहुंचा- आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया कि सीपीडी निर्यात वित्त वर्ष 2025 में 20 साल के निचले स्तर 13.3 अरब डॉलर पर आ गया। यह वैश्विक व्यापक आर्थिक मंदी और सस्ते एलजीडी के लिए बढ़ती उपभोक्ता पसंद से प्रभावित है। ये अब पॉलिश किए गए हीरे के निर्यात का 8 प्रतिशत हिस्सा है, जो वित्त वर्ष 2019 में केवल 1 प्रतिशत था।

अमेरिकी टैरिफ ने चिंता बढ़ाई - इसके अलावा हाल ही में अमेरिका द्वारा 27 प्रतिशत टैरिफ

लगाए जाने से भारत के नुकसान होने की संभावना है। अमेरिका भारत के सीपीडी निर्यात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा रखने वाला एक प्रमुख बाजार है। हालांकि वर्तमान में 10 प्रतिशत अंतरिम टैरिफ लगाकर इसे रोक दिया गया है लेकिन निर्यातक अभी भी चिंतित हैं। कई भारतीय कंपनी अब दुबई और बेल्जियम जैसे कम टैरिफ वाले केंद्रों के जरिए शिपमेंट को फिर से भेज रहे हैं ताकि प्रभाव को कम किया जा सके।

परिचालन लाभ मार्जिन में आई गिरावट - रिपोर्ट में बताया गया कि सीपीडी फर्मों के लिए परिचालन लाभ मार्जिन वित्त वर्ष 2025 में 400 आधार अंक घटकर लगभग 4 प्रतिशत रह गया है। वहीं आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2026 में 3.6 से 3.7 प्रतिशत की और गिरावट का अनुमान लगाया है।

कीमतों में आई भारी गिरावट - इस बीच, वित्त वर्ष 2025 में कच्चे हीरों की कीमत में 8 प्रतिशत और पॉलिश हीरों की कीमत में 7 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है।

इंडसइंड बैंक को नए सीईओ की तलाश

3 उम्मीदवार रेस में, शेयर खरीदने दौड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक के मैनेजमेंट में बड़े बदलाव होने वाले हैं। दरअसल, बैंक के सीईओ पद के लिए उम्मीदवारों की तलाश जारी है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एक्सिस बैंक के राजीव आनंद, इसके सीईओ पद के लिए मजबूत उम्मीदवार हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एचडीएफसी बैंक के राहुल शुक्ला और बजाज फाइनेंस के अनूप साहा भी इस पद के लिए दौड़ में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि अप्रैल के अंत में सुमंत कठपालिया ने इंडसइंड बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में पाई गई विसंगतियों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। इसी के बाद से नए सीईओ की तलाश जारी है।

एक्सिस बैंक के डिप्टी सीईओ राजीव आनंद बैंक के सीईओ पद के लिए एक मजबूत उम्मीदवार हो सकते हैं। अगर उन्हें नियुक्त किया जाता है, तो आनंद इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया की जगह लेंगे। इससे पहले, एक्सिस बैंक ने 25 अप्रैल को घोषणा की थी कि उसके उप प्रबंध निदेशक राजीव आनंद 3 अगस्त को ऋणदाता के बोर्ड में निदेशक के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करने के साथ ही अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। बैंक ने कहा था कि अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आनंद एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में एक्सिस समूह से जुड़े रहेंगे।

ये दो नाम भी हैं रेस में

इसी तरह, एचडीएफसी बैंक के कॉमर्शियल और ग्रामीण बैंकिंग के समूह प्रमुख राहुल शुक्ला भी पद के लिए दौड़ में शामिल हो सकते हैं। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, शुक्ला फिलहाल अवकाश पर हैं। बजाज फाइनेंस के प्रबंध निदेशक अनूप साहा भी इस दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडसइंड बैंक का बोर्ड इन तीनों उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को मंजूरी के लिए भेजने वाला है।

शेयर में बंपर उछाल

इस खबर के बीच 27 जून को इंडसइंड बैंक के शेयरों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। इंडसइंड बैंक के शेयर दिन के उच्चतम स्तर 880.85 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। मार्च 2025 में शेयर की कीमत 605.40 रुपये तो पिछले साल 1,514.95 रुपये तक पहुंच गई थी। यह दोनों भाव शेयर का लो और हाई लेवल है।

मकानों के दाम 11 प्रतिशत बढ़ने से पहली तिमाही में बिक्री 20 फीसदी घटी, एनसीआर में सर्वाधिक 27 प्रतिशत बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में शीर्ष सात शहरों में मकानों की कीमतें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ने से बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के अनुसार, इस दौरान बिक्री घटकर 96,285 यूनिट रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 1.20 लाख यूनिट थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बंगलूरू, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में घरों की बिक्री में गिरावट आई है। केवल चेन्नई में मांग बढ़ी है। अप्रैल-जून तिमाही मकानों की खरीद बिक्री के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही, जिसमें देश और विदेश में तनाव का भी योगदान रहा। युद्ध जैसे माहौल ने घर खरीदने वालों को प्रतीक्षा और निगरानी की स्थिति में धकेल दिया है। घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में कटौती से नए सिरे से आशावाद में तेजी आई है। इससे आने वाले समय में खरीदी में सुधार दिख सकता है।

सालाना आधार पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में सबसे अधिक 27 प्रतिशत कीमत बढ़ी। बंगलूरू में 12 और हैदराबाद में 11 प्रतिशत की वृद्धि रही। इससे बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 14,255 यूनिट रह गई, जो एक वर्ष पहले 16,550 इकाई थी। मुंबई एमएमआर में बिक्री 41,540 यूनिट से 25 प्रतिशत घटकर 31,275 यूनिट रही। बंगलूरू में 8 प्रतिशत घटकर 15,120 इकाई व पुणे में 27 प्रतिशत घटकर 15,410 इकाई रह गई।

डेल्हीवरी में कई बड़े दिग्गजों ने बेची हिस्सेदारी, 461 करोड़ में डील फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉजिस्टिक्स सॉल्युशन प्रोवाइडर-डेल्हीवरी में एक बड़ी डील हुई है। दरअसल, मॉर्गन स्टेनली, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स सिंगापुर और छह अन्य संस्थाओं ने गुरुवार को ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के माध्यम से डेल्हीवरी में 1.6 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह डील 461 करोड़ में हुई है। इसके अलावा, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड (एमएफ), एक्सिस एमएफ, टाटा एमएफ, एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट, हिल फोर्ट कैपिटल और हांगकांग निवेश प्रबंधक विरिडियन एएम ने एनएसई पर ब्लॉक डील के अनुसार गुरुग्राम स्थित डेल्हीवरी के शेयर खरीदे।

किस भाव पर डील- संस्थाओं ने 387 की औसत कीमत पर डेल्हीवरी में 11.9 मिलियन से अधिक इक्विटी शेयर या 1.6 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी, जिससे संयुक्त मूल्य 461 करोड़ हो गया। इस बीच, वेंचर कैपिटल फर्म नेक्सस वेंचर पार्टनर्स ने अपने सहयोगियों नेक्सस ऑपर्चुनिटी फंड

और नेक्सस वेंचर्स थर्ड के माध्यम से समान कीमत पर समान संख्या में शेयर बेचे। आपको बता दें कि मार्च तिमाही में नेक्सस वेंचर्स थर्ड के पास डेल्हीवरी में 5.88 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस बीच, गुरुवार को डेल्हीवरी के शेयर एनएसई पर 0.54 प्रतिशत गिरकर 386.05 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

जियो-ब्लैकरॉक को ब्रोकिंग लाइसेंस मिलने से अंबानी की कंपनी के शेयर उछले

नई दिल्ली, एजेंसी। अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल के शेयर आज सुबह बीएसई पर लगभग 5 प्रतिशत उछल गए। ऐसा इसलिए हुआ , क्योंकि बाजार नियामक सेबी ने जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग को स्टॉकब्रोकर और शेयर बाजार के सदस्य (क्लियरिंग मेंबर) के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी है। आज शुक्रवार, 27 जून को जियो फाइनेंशियल का शेयर भाव पिछले बंद भाव 312.40 के मुकाबले 313.85 पर खुला। फिर यह 4.5 प्रतिशत चढ़कर दिन के सबसे ऊंचे स्तर 326.55 तक पहुंच गया। सुबह करीब 11:05 बजे तक यह शेयर 4.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 326 पर कारोबार कर रहा था। यह इस शेयर की लगातार चौथी बढ़त वाला दिन होने वाला था।

सेबी ने दी मंजूरी- जियो फाइनेंशियल ने 27 जून को बाजार को बताया कि सेबी ने 25 जून, 2025 को जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को स्टॉकब्रोकर/क्लियरिंग मेंबर के रूप में काम करने का पंजीकरण प्रमाणपत्र दे दिया है। जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग, जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड की पूरी तरह से अपनी कंपनी (सब्सिडियरी) है।

कंपनी ने क्या कहा- जियो

कंपनी ने क्या कहा

जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ मार्क पिल्ग्रेम ने कहा, जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के जरिए हम छोटे निवेशकों को व्यक्तिगत सलाह दे पाएंगे। अब ब्रोकरेज के साथ, हम अपने दम पर निवेश करने वालों (सेल्फ-डायरेक्टेड इन्वेस्टर्स) के लिए एक एक्जीक्यूशन प्लेटफॉर्म भी लाएंगे।

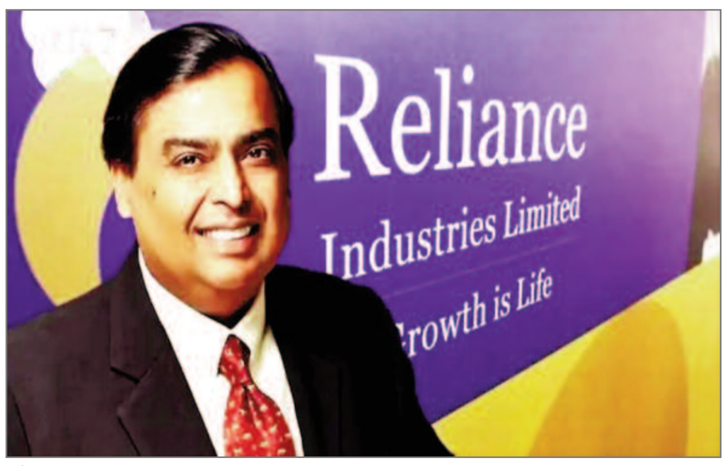

ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ मार्क पिल्ग्रेम ने कहा, जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के जरिए हम छोटे निवेशकों को व्यक्तिगत सलाह दे पाएंगे। अब ब्रोकरेज के साथ, हम अपने दम पर निवेश करने वालों (सेल्फ-डायरेक्टेड इन्वेस्टर्स) के लिए एक एक्जीक्यूशन प्लेटफॉर्म भी लाएंगे। अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल के शेयर आज सुबह बीएसई पर लगभग 5 प्रतिशत उछल गए। ऐसा इसलिए हुआ , क्योंकि बाजार नियामक सेबी ने जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग को स्टॉकब्रोकर और शेयर बाजार के सदस्य (क्लियरिंग मेंबर) के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी है। आज शुक्रवार, 27 जून को जियो फाइनेंशियल का शेयर भाव पिछले बंद भाव 312.40 के मुकाबले 313.85 पर खुला। फिर यह 4.5 प्रतिशत चढ़कर दिन के सबसे ऊंचे स्तर 326.55 तक पहुंच गया। सुबह करीब 11:05 बजे तक यह शेयर 4.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 326 पर कारोबार कर रहा था। यह इस शेयर की लगातार चौथी बढ़त वाला दिन होने वाला था।

सेबी ने दी मंजूरी- जियो फाइनेंशियल ने 27 जून को बाजार को बताया कि सेबी ने 25 जून, 2025 को जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को स्टॉकब्रोकर/क्लियरिंग मेंबर के रूप में काम करने का पंजीकरण प्रमाणपत्र दे दिया है। जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग, जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड की पूरी तरह से अपनी कंपनी (सब्सिडियरी) है।

पहले भी मिली थीं मंजूरियां

इससे पहले, 11 जून को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया था कि जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को सेबी से इन्वेस्टमेंट एडवाइजर (निवेश सलाहकार) के तौर पर काम करने की मंजूरी मिल गई थी। मई में ही, जियो ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड को भारत में अपने म्यूचुअल फंड बिजनेस के लिए निवेश प्रबंधक (इन्वेस्टमेंट मैनेजर) के रूप में काम शुरू करने की सेबी की मंजूरी मिली थी।

सर्विस पोर्टफोलियो तैयार- ब्लैकरॉक के अंतरराष्ट्रीय प्रमुख रेचल लॉर्ड ने कहा, सेबी की यह तीसरी मंजूरी हमारे संयुक्त उद्यम (जेवी) की पेशकशों की रेंज को पूरा करती है। इन तीन कंपनियों के जरिए, जियोब्लैकरॉक भारतीय निवेशकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों की ओर काम करने में मदद करने के लिए निवेश सेवाओं का पूरा पैकेज देगा।

पेमेंट्स बैंक में निवेश

इस बीच, कंपनी ने अपने पेमेंट्स बैंक हिस्से, जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में 190 करोड़ का निवेश किया है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने इस पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी में 10 वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर नकद में अंकित मूल्य पर खरीदे हैं।

शेयर की कैसी रही चाल- इस साल अब तक जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर लगभग 7 प्रतिशत चढ़ा है, जो बीएसई सेंसेक्स की 7 प्रतिशत की बढ़त के अनुरूप है। हालांकि, पिछले एक साल में यह शेयर करीब 8

अब इस प्रतियोगिता में भिड़ेंगे नीरज और अरशद

भाला फेंक में ओलंपिक चैंपियन ने खुद किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नहीं खेले थे। अब दोनों एक साथ इस टूर्नामेंट में खेलते दिख सकते हैं। भारत के महानतम एथलीट्स में शुमार और भाला फेंक में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी अपने नाम किया। हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी नहीं तय कर सके, लेकिन उनके आत्मविश्वास को जरूर बल मिला होगा। अब वह नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते दिखेंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम हिस्सा नहीं लेंगे। अरशद और नीरज के बीच गजब की प्रतिद्वंद्विता है और फैंस इन दोनों के बीच टक्कर का जमकर लुत्फ उठाते हैं। अब नदीम ने खुलासा किया है कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नदारद थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह इसके प्रति काफी चयनात्मक रहे हैं। वह फिलहाल पाकिस्तान में प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जरूर भाग लिया था, जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था। अब पाकिस्तान के इस भाला फेंक एथलीट ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में विश्व ओलंपिक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर नदीम ने कहा, मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लाहौर में बहुत गर्मी है। मैं जल्द ही इंग्लैंड जा रहा हूं और वहां एक महीने ट्रेनिंग करूंगा। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होगी जहां अरशद और नीरज दोनों खिलाड़ियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है।

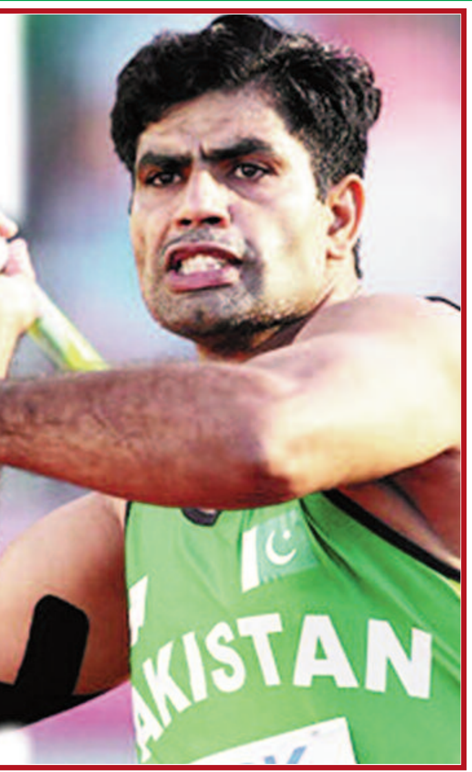

टीम इंडिया की राह आसान नहीं!

इंडिया-इंग्लैंड
एजबेस्टन में 58 सालों से जीत का इंतजार, क्या खत्म होगा सूखा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर हैं, जहां वो मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की ब्लॉकबस्टर टेस्ट सीरीज में व्यस्त है. इस टेस्ट सीरीज का शुरुआती मुकाबला लीड्स में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी. अब दोनों टीमें 2 जुलाई (बुधवार) से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर आमने-सामने होंगी.

एजबेस्टन में टीम इंडिया का रिकॉर्ड

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम इस मुकाबले के जरिए टेस्ट सीरीज में वापसी की कोशिश करेगी, लेकिन ये उतना आसान नहीं रहने वाला है. वैसे भी टीम इंडिया के लिए यह मैदान किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है. इस मैदान पर भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अब तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है.बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारतीय टीम ने अब तक 8 टेस्ट मैच खेले हैं, जो मेजबान इंग्लैंड के ही खिलाफ रहे. इस मैदान पर भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से हार मिली थी. तब से अब तक भारत इस मैदान पर टेस्ट मैच नहीं जीता है. यानी इंतजार 58 सालों से ये इंतजार जारी है.भारतीय टीम एजबेस्टन में 7 टेस्ट मैच हारी है, वहीं एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था, जो जुलाई 1986 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने खेला था. जब इस मैदान पर आखिरी बार (जुलाई 2022) दोनों टीमें भिड़ी थीं, तो जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम की अगुवाई की थी. उस मुकाबले में भारतीय टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

एजबेस्टन में सभी टेस्ट मैचों के नतीजे

- 13-15 जुलाई 1967- टीम इंडिया को 132 रनों से हार मिली
- 4-8 जुलाई 1974-भारतीय टीम पारी और 78 रनों से हारी
- 12-16 जुलाई 1979-टीम इंडिया की पारी और 83 रनों से हार
- 3-8 जुलाई 1986-ड्रॉ
- 6-9 जून 1996-भारतीय टीम को 8 विकेट से हार मिली
- 10-13 अगस्त 2011-टीम इंडिया पारी और 242 रनों से हारी
- 1-4 अगस्त 2018-भारतीय टीम को 31 रनों से हार मिली
- 1-5 जुलाई 2022-टीम इंडिया 7 विकेट से हारी

एजबेस्टन में भारत-इंग्लैंड

कुल टेस्ट मैच: 8
इंग्लैंड ने जीते: 7
भारत ने जीते: 0
ड्रॉ मैच: 1

एजबेस्टन में इंग्लैंड का रिकॉर्ड

कुल टेस्ट मैच: 56
मैच जीते: 30
मैच हारे: 15
ड्रॉ मैच: 11

उसके 42 रन 70 रन जैसे थे...

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ पंत की पारी पर बोले रोहित

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले साल मार्की टी20आई टूर्नामेंट के दौरान चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ टीम के मुकाबले पर बात की जिसमें विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल था। उन्होंने कहा कि उनकी 42 रन की पारी कठिन पिच पर 70 रन के बराबर थी। पिछले साल 9 जून को भारत ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को छह रन से हराया था। यह टूर्नामेंट में भारत की दूसरी जीत थी जिसमें मेन इन ब्लू ने बारबाडोस में खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर अपने 11 साल के लंबे ट्रॉफी सूखे को खत्म किया था। भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा। ऑस्ट्रेलिया से आने वाली ड्रॉप-इन पिच के साथ एक अस्थायी सुविधा वाले स्टेडियम पर बोलते हुए रोहित ने कहा कि स्टेडियम भव्य दिख रहा था, लेकिन उन्हें कहीं और अभ्यास करना पड़ा क्योंकि इसमें अभ्यास सुविधाओं की कमी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे टेंट में ड्रेसिंग रूम ने उन्हें मुंबई के आजाद मैदान में एक युवा के रूप में खेलने की पुरानी यादें ताजा कर दीं।रोहित ने कहा, स्टेडियम सुंदर था। जब हम पहली बार मैदान पर पहुंचे, तो एक ट्रॉफी अनावरण समारोह था और तब मैंने पहली बार मैदान देखा। हमें स्टेडियम के अंदर प्रशिक्षण की अनुमति नहीं थी क्योंकि वहां कोई अभ्यास सुविधा नहीं थी। यह कहीं और था। हम मैदान की भावना को तभी महसूस कर सकते थे जब हम मैच खेलने जाते थे। पहली नजर में, काफी भव्य स्टेडियम लग रहा था। यह एक खुला स्टेडियम था, जिसमें बैठने की अच्छी व्यवस्था थी, हालांकि यह अनिवार्य रूप से एक अस्थायी स्थल था। इसलिए, आप एक सामान्य स्थल में जो चीजें उम्मीद करते हैं, वह आपको वहां नहीं मिल सकती हैं। ड्रेसिंग रूम एक टेंट में था, जिसे मैंने आजाद मैदान में एक युवा के रूप में अनुभव किया था। इसने उन यादों को वापस ला दिया।

सबसे बड़ी चिंता लोअर ऑर्डर का खराब फॉर्म

एजबेस्टन टेस्ट से पहले भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता उसके लोअर ऑर्डर के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म है. साथ ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के भी इस मुकाबले में नहीं खेलने की संभावना है, जिसके चलते भारतीय टीम की टेंशन निश्चित तौर पर बढ़ने वाली है. बुमराह को लेकर हेड कोच गौतम गंभीर पहले ही कह चुके हैं कि वो इस सीरीज में सिर्फ 3 मुकाबले खेलेंगे. एक मैच बुमराह पहले ही खेल चुके हैं.

...क्या खत्म होगा 58 सालों का सूखा?

टीम इंडिया इस बार एजबेस्टन में इतिहास बदलने के इरादे से उतरेगी, लेकिन इंग्लैंड की बैजबॉल क्रिकेट से तभी पार पाया जा सकता है जब भारतीय टीम की गेंदबाजी क्लिक करेगी. हालांकि भारतीय टीम के लिए अच्छी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत शानदार लय में हैं. ये चारों खिलाड़ी एजबेस्टन में भी बल्ले से धमाल मचाना चाहेंगे.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 2027 तक अल नासर में अपना कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल नासर के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करके अपने क्लब के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया है, जिसके तहत वह 2027 तक सऊदी अरब के क्लब में बने रहेंगे। पुर्तगाली आइकन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ आधिकारिक तौर पर घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। अल नासर ने जल्द ही पुष्टि कीक्रिस्टियानो रोनाल्डो 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे।मैनचेस्टर यूनाइटेड से निकलने के बाद 2022 के अंत में अल नासर में शामिल हुए रोनाल्डो ने गोल के सामने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने प्रतियोगिताओं में 105 मैचों में 93 बार गोल किए हैं। सऊदी अरब में उनके जाने से वैश्विक फुटबॉल में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसने सऊदी प्रो लीग की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और इस क्षेत्र में सितारों के आगमन की लहर के लिए मंच तैयार किया। संभावित प्रस्थान के बारे में कई सप्ताह तक अटकलों के बाद यह विस्तार हुआ है। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी रहस्यमयी पोस्ट - यह अध्याय समाप्त हो गया है। कहानी? अभी भी लिखी जा रही है।

इस सीरीज पर हो सकता है बड़ा फैसला...

टीम इंडिया का बदलेगा कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने में व्यस्त है. टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं. इस सीरीज के बाद अगस्त में भारत के सफेद गेंद से सीरीज खेलने संभावना जताई जा रही है, जिसके लिए टीम में बदलाव देखने को मिल सकते हैं. यहां तक की कप्तान भी बदल सकता है. अगस्त में भारतीय टीम बांग्लादेश का दौरा कर सकती है. इस दौरान तीन वनडे और इतने ही ॠ20ढ्ढ मैचों की सीरीज खेली जा सकती है. पहले दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आने से ये दौरा स्थगित माना जा रहा था, लेकिन अभी तक सरकार ने इस पर कोई निर्देश नहीं दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच मैच होने की संभावना बढ़ गई है. हालांकि इस दौरान टीम इंडिया का कप्तान जरूर बदल सकता है.भारत और बांग्लादेश के बीच 17 अगस्त से वनडे और टी20मैचों की सीरीज हो सकती है. अगर टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करती है तो विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार वनडे में वापसी करेंगे. रोहित शर्मा वनडे टीम की कप्तानी भी कर सकते हैं, लेकिन टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का इस दौरे पर जाना अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि उन्होंने कुछ दिन पहले ही हर्निया की सर्जरी कराई है और वो अभी रेस्ट कर रहे हैं.

धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए..

आईसीसी ने बनाया नया प्लान!

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए टेस्ट क्रिकेट में 'स्टॉप क्लॉक नियम लागू किया है जबकि 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के खेलने की परिस्थितियों के अनुसार अगर 'जानबूझकर पूरा रन नहीं लिया जाता तो यह फैसला क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम करेगी कि कौन सा बल्लेबाज गेंदबाज का सामना करेगा। यह नए नियम 2025-2027 डब्ल्यूटीसी चक्र से लागू होंगे जिसकी शुरुआत श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में पहले टेस्ट के साथ हुई थी। आईसीसी की वेबसाइट पर मौजूद टेस्ट मैच की खेलने की परिस्थितियों के अनुसार सीमित ओवरों के क्रिकेट की तरह लंबे प्रारूप में भी धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल किया जाएगा। आईसीसी ने कहा, 'क्षेत्ररक्षण टीम को पिछला ओवर पूरा होने के 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार होना होगा। मैदान पर इलेक्ट्रॉनिक घड़ी दिखेगी जिस पर शून्य से 60 सेकेंड तक गिनती चलेगी। क्षेत्ररक्षण टीम को इसके बाद दो चेतावनियां दी जाएंगी और तीसरी बार ऐसा होने पर बल्लेबाजी टीम को पांच पेनल्टी रन दिए जाएंगे। आईसीसी ने कहा कि 80 ओवर पूरे होने के बाद इन चेतावनियों को फिर से शून्य कर दिया जाएगा।

क्लब वर्ल्ड कप

मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस को हराकर ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने क्लब वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जुवेंटस एफसी को आसानी से 5-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ सिटी ने ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया और अब वे ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में भिड़ेंगे। मैनचेस्टर सिटी इस जीत के बाद फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण को 100 प्रतिशत रिकॉर्ड के साथ समाप्त करने वाली एकमात्र टीम बन गई। सिटी ने इस टूर्नामेंट में अब तक 13 गोल किए हैं, जो एफसी बायर्न म्यूनिख से एक ज्यादा हैं। इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने लगभग पूरे खेल में दबदबा बनाए रखा।मैच की शुरुआत में ही पेप गार्डियोला की टीम ने नौवें मिनट में गोल दागा। नए खिलाड़ी रेयान ऐट-नूरी ने जुवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र के बाहर गेंद पर कब्जा किया और जेरेमी डोकू को पास दिया, जिन्होंने शानदार गोल किया। हालांकि, सिर्फ दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन की गलती से जुवेंटस ने बराबरी कर ली। इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर ने गलती से अपने ही गोल में गेंद मार दी, जिससे सिटी फिर आगे हो गई।

सील्स पर आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा जुर्माना

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करने वाले कैरेबियाई तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर उनकी मैच फीस के 15 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के कारण एक डिमेरिट प्वाइंट भी मिला है। यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिजटाउन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की घटना के कारण हुई। आईसीसी ने एक बयान में कहा, सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से संबंधित है। इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए यह 24 महीने की अवधि में दूसरा अपराध था, जिससे 24 महीने की अवधि में उनके डिमेरिट अंकों की संख्या दो हो गई है।÷

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर के दौरान घटित हुई थी। तब सील्स ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के मुताबिक खिलाड़ियों के आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह इशारा उकसाने या अपमानजनक भाषा के दायरे में आता है। आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे। सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा डिमेरिट पॉइंट है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट में डिमेरिट पॉइंट मिला था। लेवल 1 उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड के रूप में आधिकारिक फटकार और अधिकतम दंड के रूप में खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जाते हैं। मैच के पहले दिन खेल खत्म होने के बाद सील्स ने कहा कि उनका इशारा कोई बड़ी बात नहीं थी, बस थोड़ी झुंझलाहट थी क्योंकि पैट कमिंस ने उन पर कुछ अच्छे शॉट लगाए थे, इसलिए उन्होंने मजाक में पवेलियन का रास्ता दिखा दिया।

सील्स ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 60 रन देकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने दूसरी पारी में भी कसी हुई गेंदबाजी की है और 24 रन देकर एक विकेट ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का स्कोर फिलहाल दूसरे दिन के स्टंप्स तक 4 विकेट के नुकसान पर 92 रन है और उसकी कुल बढ़त 82 रनों की हो चुकी है। बता दें, यह ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज दौरा है और यह तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का ओपनिंग मैच है। सील्स और शमार जोसेफ की बढ़िया गेंदबाजी के चलते वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में केवल 180 रनों पर समेट दिया था। हालांकि वेस्टइंडीज की पारी भी केवल 190 रनों पर आउट हो गई थी। फिलहाल इस मैच का तीसरा दिन अहम होगा, जहां ऑस्ट्रेलिया अपने निचले मध्यक्रम से और वेस्टइंडीज टीम अपनी पेस बैटरी के प्रदर्शन पर बहुत हद तक निर्भर करेगी।

जायद को पिता संजय खान ने दी थी सलाह

जब आप जिंदगी खुद बनाते हैं, तो...

साल 2003 में फिल्म 'चुरा लिया है तुमने' से एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले एक्टर जायद खान ने डेब्यू फिल्म के ऑफर से जुड़ा किस्सा शेयर किया। जायद ने बताया कि यह उनके लिए किसी संयोग से कम नहीं था। उन्होंने पिता संजय खान की सलाह को भी याद किया, जो उनकी जिंदगी में खास मायने रखता है। जायद ने बताया कि जब वह एक्टिंग की दुनिया में आने वाले थे तो उन्हें उम्मीद थी कि पिता, फिल्म निर्माता संजय खान के बैनर तले डेब्यू करेंगे, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और तय कर रखा था। उन्हें अचानक से 'चुरा लिया है तुमने' का ऑफर मिला, जिसने उनके करियर की दिशा बदल दी। जायद ने बताया कि एक्टिंग के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। जिम में वर्कआउट, डांस और डायलॉग क्लासेज के साथ-साथ वह हर पल लाइन्स का अभ्यास करते थे। एक्टर ने बताया, मैं अपनी पहली फिल्म में हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता था। इसके लिए मैं पेट्रोल पंप पर भी अपनी लाइन्स पढ़ता रहता था, जब तक टैंक भर रहा होता, मैं लाइन्स पढ़ता और इस तरह से अपने समय का वहां पर भी इस्तेमाल कर लेता था। यह मेरे लिए जुनून बन गया। जायद ने बताया कि वह एक सेट पर एक्टर ॠतिक रोशन और अमीषा पटेल के साथ थे, तभी उन्हें फिल्म का ऑफर मिला। जायद को वह पल आज भी याद है जब उनसे पूछा गया, तुम बहुत हैंडसम हो, क्या मेरी फिल्म करोगे? उस समय वह पूरी तरह तैयार थे, लेकिन फिर भी फैसला लेने से पहले उन्होंने पिता से सलाह ली थी। जायद ने अपने पिता संजय खान से पूछा कि क्या इस ऑफर को स्वीकार करना ठीक रहेगा? संजय खान ने जवाब दिया, जब तुम अपनी जिंदगी खुद बनाते हो, तो उसे बेहतर तरीके से जी पाते हो।

इस सलाह ने जायद को न केवल आत्मविश्वास दिया, बल्कि आगे बढ़ने में काफी मदद की। जायद खान डिजिटल डेब्यू के साथ करियर के एक नए चैप्टर को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द फिल्म दैट नेवर वॉच' साल 2025 के सबसे चर्चित प्रोजेक्ट में से एक है। इस कॉमेडी फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो की खबर है।

मैंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है... अर्जुन बिजलानी ने दी सफाई

लोकप्रिय टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस से बात करते हुए काम से ब्रेक लेने के पीछे का कारण बताया। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने काम से ब्रेक इसलिए लिया ताकि वह अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकें और अपनी मानसिक शांति पर ध्यान दे सकें।

इश्क में मरजावां के अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने कहा कि उन्हें पता है कि फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वह भी जल्दी काम पर लौटने के लिए काफी उत्साहित हैं। बात करते हुए अर्जुन ने कहा, मुझे पता है मेरे फैंस मेरी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और सच कहूं तो मैं भी इंतजार नहीं कर पा रहा। यह ब्रेक मेरे परिवार और मानसिक शांति के लिए जरूरी था, लेकिन मैं बहुत जल्द सेट पर लौटने वाला हूं, ताकि दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर एक फैन के कमेंट पर बताया कि उन्होंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है, अभी वह छुट्टी पर हैं, जिसमें वह परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और आराम कर रहे हैं। अर्जुन ने जवाब देते हुए लिखा, नहीं, मैंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है। यह पहली बार है, जब मैं अपने परिवार के साथ इतना लंबा और बेहतरीन समय बिता रहा हूं, जो पिछले कई सालों में नहीं कर पाया। मैं हमेशा 2-3 शो एक साथ करता था, जिसके चलते परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा था। यह एक अहम फैसला है, जो मैंने अपने बेटे से वादे के रूप में किया था कि मैं समर हॉलीडे में उसके साथ समय बिताऊंगा। कभी-कभी हमें कुछ चीजों को भी काम की तरह ही प्राथमिकता देनी होती है मैं जल्द ही सेट पर वापस आऊंगा।

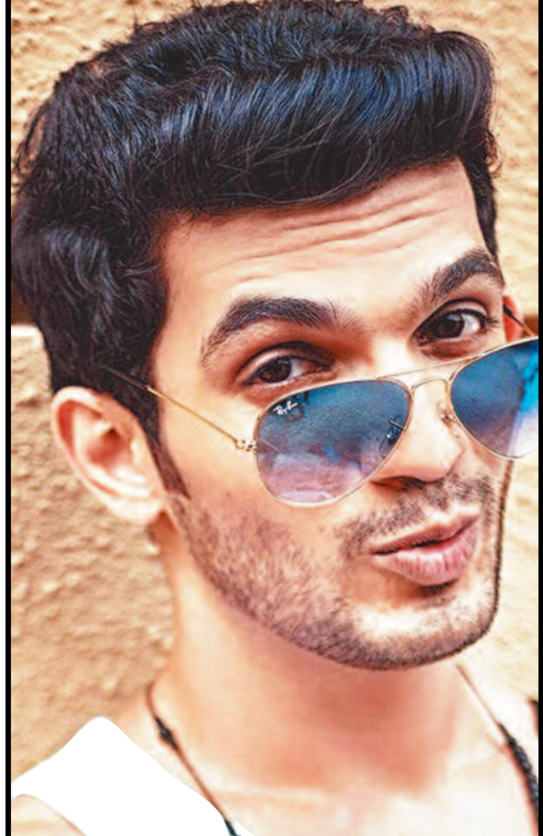

पर्दे पर 'मां' का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण: काजोल

अभिनेत्री काजोल अपनी अपकमिंग हॉरर फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। हॉरर फिल्म में काजोल 'मां' के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करना और पर्दे पर मां के किरदार को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। बातचीत में काजोल ने बताया कि हर सीन में तनाव, चिंता और मां की भावनाओं को दिखाना था, जो आसान नहीं था। इसी वजह से यह किरदार उनके लिए खास और चुनौतीपूर्ण बन गया।

काजोल का मानना है कि वह पहले भी कई फिल्मों में मां का किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन मां में उनका किरदार अलग है। हॉरर फिल्म होने के कारण इसके हर सीन में एक खास तनाव और भावनात्मक गहराई की जरूरत थी। काजोल ने कहा, मुझे हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं पता था कि इस तरह की फिल्मों में पूरे समय एक खास भावनात्मक स्तर बनाए रखना पड़ता है। एक एक्टर के तौर पर आपको हर पल, हर शॉट में अलर्ट रहना पड़ता है। यह भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था। पूरे दिन उस तनाव को बनाए रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'मां' हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है। माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि 'मां' वह पहला शब्द है जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते हैं बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। यह वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द टीम को इतना गहरा लगा कि इसे ही स्थाई टाइटल बनाने का फैसला लिया गया।

मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है: रोहित पुरोहित

लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम अभिनेता रोहित पुरोहित ने टेलीविजन करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। रोहित ने बताया कि जब उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, तब वह नए थे, लेकिन समय के साथ वह लगातार सीखते गए और खुद को बेहतर बनाया। अभिनेता का मानना है कि उन्होंने अपने हर एक किरदार से कुछ न कुछ सीखा है। रोहित ने बताया, जब मैंने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, तब मुझे कुछ नहीं पता था। मैं काम में बहुत कच्चा था। अब मैं अपने काम में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करता हूं। मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है और लगातार सीख रहा हूं। यह बड़ी उपलब्धि की तरह है। रोहित ने जानकारी दी कि उन्होंने कभी किसी एक्टिंग स्कूल में ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन उनके साथ काम करने वाले प्रतिभाशाली निर्देशकों और को-एक्टर्स ने बहुत कुछ सिखाया। करियर में अब तक 20 से ज्यादा शो कर चुके रोहित का मानना है कि हर किरदार में पूरी मेहनत और दिल लगाना जरूरी है। काम को दिल से करना चाहिए। उन्होंने बताया, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि छोटा हो या बड़ा सीन, हर पल को खास बनाना चाहिए। हर शॉट में सच्चाई लानी पड़ती है। आप सिर्फ किरदार नहीं निभाते, बल्कि हर पल को जीते हैं। अपने किरदार को मजबूत करने के लिए दिल से काम करना जरूरी है। रोहित ने अपने पुराने शो पोरस के साथ ही ये रिश्ता क्या कहलाता है के अपने किरदार को चुनौतियों से भरा बताया।

एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी: कोंकणा सेन शर्मा

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा स्टारर फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' रिलीज को तैयार है, जिसे लेकर कोंकणा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि एक्टिंग से पहले कलाकार को शांत और न्यूट्रल रहना चाहिए। कोंकणा ने कहा कि काम के दौरान बाहरी शोर और निजी भावनाओं से दूरी बनाना एक्टिंग के लिए बेहद जरूरी है। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। कोंकणा ने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा और वह अक्सर उनके साथ सीन, किरदार और कहानी को लेकर सेट पर चर्चा करती थीं। उन्होंने बताया, हमने किरदारों और उनकी दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। सेट पर सब कुछ मूड पर निर्भर करता है। कोंकणा ने बताया कि सेट का माहौल निर्देशक से शुरू होता है, जो फिर विभाग प्रमुखों (एचओडी) और एक्टर्स तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, अनुराग के सेट पर होने से निगेटिव, स्ट्रेस या आलोचना का माहौल नहीं बनता। एक एक्टर को न्यूट्रल रहना पड़ता है, क्योंकि आपको किसी और किरदार को जीना होता है। अगर आप तनाव या नकारात्मक भावनाओं से भरे हैं, तो यह आपकी एक्टिंग में भी दिखाई देता है। कोंकणा ने इस बात पर जोर दिया कि अभिनय से पहले अपनी निजी भावनाओं को पीछे छोड़ना जरूरी है, ताकि किरदार को पूरी तरह जिया जा सके। मेट्रो इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। लाइफ इन ए मेट्रो में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, मेट्रो इन दिनों की बात करें तो इसमें कोंकणा सेन शर्मा के साथ पंकज त्रिपाठी के अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिंगर गुरु ने उठाया ये कदम

बंद किया अकाउंट

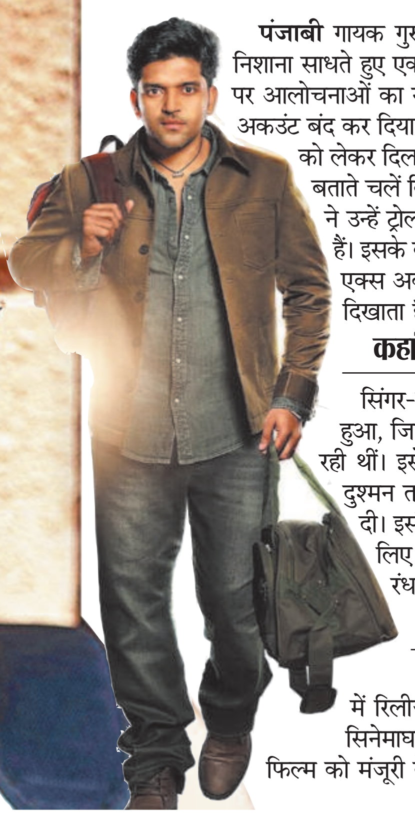

पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने सरदार जी 3 विवाद के बीच दिलजीत दोसांझ पर निशाना साधते हुए एक क्रिप्टिक पोस्ट लिखा था। इसके बाद सिंगर को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। फिर कुछ देर बाद गुरु रंधावा ने अपना एक्स अकउंट बंद कर दिया। बीते दिन गुरुवार को गायक गुरु रंधावा ने सरदार जी 3 विवादों को लेकर दिलजीत दोसांझ पर निशाना साधते हुए एक ट्वीट किया था। हालांकि, बताते चलें कि उन्होंने उसमें किसी का नाम नहीं लिया था। इसके बाद नेटिजंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए कहा वो खुद के प्रचार के लिए इस विवाद में कूद रहे हैं। इसके बाद गायक ने किसी भी बात की प्रतिक्रिया ना देते हुए, सीधे अपना एक्स अकाउंट ही डिलीट कर दिया। अब उनका एक्स अकाउंट खोलने पर दिखाता है कि ऐसा कोई अकाउंट है ही नहीं।

कहां से शुरु हुआ मामला?

सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें उनके साथ पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी नजर आ रही थीं। इसे देखते ही नेटिजंस अभिनेता पर भड़क गए और उन्हें देश का दुश्मन तक बताने लगे। इस बढ़ते विवाद पर कई सितारों ने भी प्रतिक्रिया दी। इसी कड़ी में गायक गुरु रंधावा ने भी दिलजीत दोसांझ का बिना नाम लिए कहा कि ये सब एक पीआर का खेल है। इसी के बाद से गुरु रंधावा को भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

कब रिलीज हो रही फिल्म?

बता दें अमर हुंदाल के निर्देशन में बनी 'सरदार जी 3' अब भारत में रिलीज नहीं होगी। इसे आज यानी कि 27 जून को सिर्फ इंटरनेशनल सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। अब पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने भी फिल्म को मंजूरी दे दी है।

बॉलीवुड के बड़े-बड़े एक्टर्स को टक्कर देते हैं ये पंजाबी कलाकार

फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर इन दिनों विवादों में घिरे पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के अलावा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के कई दूसरे कलाकारों ने भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है।

पंजाबी म्यूजिक और सिनेमा ने भारत में अपनी अलग पहचान बनाई है और अब पंजाबी कलाकारों ने बॉलीवुड की दुनिया में भी जबरदस्त दस्तक दी है। एक दौर था जब पंजाबी सिंगर सिर्फ गानों तक सीमित रहते थे, लेकिन अब वो बड़े पर्दे पर हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकारों को बराबरी की टक्कर दे रहे हैं। खासकर, दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकारों ने न सिर्फ पंजाबी सिनेमा को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है बल्कि बॉलीवुड में भी अपना मजबूत सिक्का जमाया है। हालांकि अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर विवादों से घिरे हुए हैं, लेकिन इससे दिलजीत के स्टारडम पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। वो उन पंजाबी कलाकारों की लिस्ट में सबसे ऊपर शामिल हैं जो बॉलीवुड में भी उतने ही फेमस हैं। दिलजीत के अलावा पंजाबी इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों ने भी अपने दमदार एक्टिंग स्किल्स से लोगों को अपना दीवाना बनाया है. अब ये एक्टर्स बॉलीवुड में भी अपना पांव जमा चुके हैं और कई बड़े एक्टर्स को कांटे की टक्कर देते है।

दिलजीत दोसांझ: दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग के चलते भारत में फिल्म की रिलीज को लेकर विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर काफी विरोध देखा जा रहा है, जिस कारण भारत में फिल्म की रिलीज को रोक दिया गया है। हालांकि दिलजीत की लोकप्रियता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। वो फिल्म 'उड़ता पंजाब', 'सूरमा' और 'चमकीला' जैसी फिल्मों से पहले ही हिंदी सिनेमा में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। उनके गाए हुए गाने भी बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक धूम मचा चुके हैं।

सोनम बाजवा: पंजाबी फिल्मों की ग्लैमरस अभिनेत्री सोनम बाजवा भी अब बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। वो हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आईं। अपनी खूबसूरत अदाकारी और स्क्रीन प्रेजेंस से सोनम पहले ही लाखों दिलों की धड़कन बन चुकी हैं।

वामिका गब्बी: वामिका गब्बी अब सिर्फ पंजाबी नहीं बल्कि हिंदी फिल्मों में भी नाम कमा रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'भूल चुक माफ' को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। उनकी परिपक्व अदाकारी ने उन्हें नई पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया है।

एमी विर्क: एमी विर्क ने सिंगर के रूप में शुरुआत की और फिर फिल्मों में भी अपनी पकड़ बनाई। उन्होंने 'भुज', 'खेल-खेल में' और 'बैड न्यूज' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। साथ ही, उनके गाने भी लगातार हिट हो रहे हैं।

शहनाज गिल: बिग बॉस फेम शहनाज गिल अब पूरी तरह बॉलीवुड की अभिनेत्री बन चुकी हैं। अपने क्यूट अंदाज और जिंदादिली के कारण वो न सिर्फ पंजाबी बल्कि हिंदी दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बना चुकी हैं। सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से शहनाज से बॉलीवुड में कदम रखा।

गिप्पी ग्रेवाल और सुरवीन चावला: जहां एक तरफ पंजाबी सिगंर और एक्टर गिप्पी ग्रेवाल ने 'सेकंड हैंड हसबैंड' जैसी फिल्मों से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। वहीं अभिनेत्री सुरवीन चावला ने 'हेट स्टोरी 2', 'हम तुम शबाना' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया है। वो जल्द ही वेब सीरीज 'राणा नायडू सीजन 2' में नजर आएंगी।

साभार एजेंसी